Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 40
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार, 16 फरवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 पुणे में भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में पथराव... 4 विकसित भारत में प्रधानमंत्री अकेले.... 7 टी20 विश्व कप : पिता बनने के लिए घर ...

संक्षिप्त न्यूज

राम विरोधियों पर बरसे कुमार विश्वास बोले- इनकी सोच ही कमजोर, वेलेंटाइन डे पर बोले, प्रेम करना ही है तो राम से सीखो

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के डबरा स्थित नवग्रह पीठ पर आयोजित 'अपने-अपने राम' कार्यक्रम में शनिवार को प्रख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास ने भारतीय संस्कृति, प्रेम और अध्यात्म पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति हर पल प्रेम करना सिखाती है, जबकि पाश्चात्य संस्कृति में प्रेम के लिए भी एक विशेष दिन निर्धारित किया गया है। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि पश्चिमी परंपरा को प्रेम व्यक्त करने के लिए 14 फरवरी जैसे वेलेंटाइन डे की जरूरत पड़ती है, लेकिन हमारी संस्कृति में प्रेम ही आधार है और परिवार को जोड़ने का माध्यम है।

डॉ. विश्वास ने कहा कि राम कथा हमें सिखाती है कि प्रेम ही परिवार की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने भगवान राम के विरोधियों पर तंज कसते हुए कहा कि राम पर संदेह नहीं करना चाहिए। यदि कोई ऐसा करता है तो उसकी बातों से विचलित होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने परिवार में आपसी सम्मान और प्रेम पर जोर देते हुए कहा कि बड़ा भाई छोटे भाई को स्नेह और सम्मान दे, जबकि छोटा भाई बड़े भाई का आदर करे। ऐसा करने से हर घर अयोध्या बन सकता है। कार्यक्रम में उन्होंने युवाओं के अध्यात्म की ओर बढ़ते रुझान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी का झुकाव आध्यात्मिक स्थलों की ओर बढ़ रहा है। कथाओं में बड़ी संख्या में युवा शामिल हो रहे हैं। डॉ. कुमार विश्वास ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि जिस तरह 18 वर्ष की आयु में ड्राइविंग लाइसेंस जरूरी होता है, उसी तरह 18 वर्ष की उम्र से ही अध्यात्म का 'ड्राइविंग लाइसेंस' ले लेना चाहिए, ताकि अपनी संस्कृति और मूल्यों की सही समझ विकसित हो सके।

38 देशों के साथ व्यापार समझौता, 'हम तैयार हैं' वाले विकसित भारत का संकल्प है बजट

पीएम मोदी ने बताया- कैसे बढ़ा निवेशकों का भरोसा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को व्यापक रक्षा आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सरकार का यह कर्तव्य है कि वह वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप सशस्त्र बलों को मजबूत करे, जैसा कि केंद्रीय बजट 2026 में किए गए बढ़े हुए आवंटन में परिलक्षित होता है। एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस वर्ष का बजट भारत की एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तत्परता का संकेत देता है। इस वर्ष का बजट भारत की एक विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा को दर्शाता है। बजट कोई मजबूरी से उत्पन्न 'अभी या कभी नहीं' वाला क्षण नहीं है, बल्कि तैयारी और प्रेरणा से उत्पन्न 'हम तैयार हैं' वाला क्षण है।

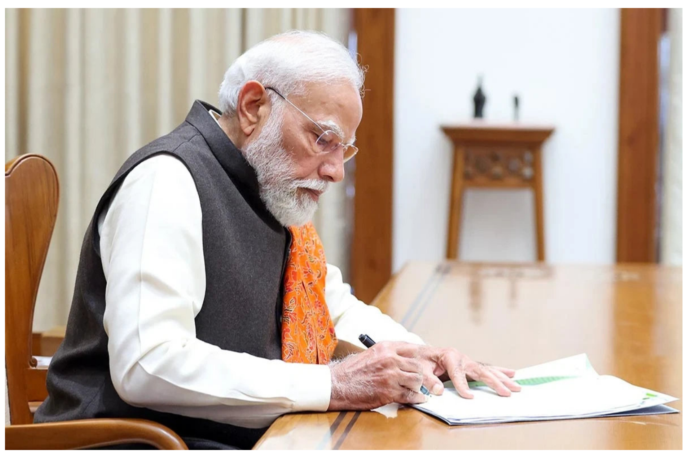

देश के रक्षा बलों की सहायता करने और उन्हें मजबूत करने के लिए सरकार को जो भी करना होगा, करेगी। रक्षा बजट में बढ़ोतरी का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि वह मौजूदा हालात के हिसाब से रक्षा क्षेत्र को आधुनिक बनाए। हमारे एफटीए (मुक्त व्यापार समझौते) का उद्देश्य वस्त्र, चमड़ा, रसायन, हस्तशिल्प, रत्न और अन्य क्षेत्रों में एमएसएमई के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने संप्रग सरकार के समय के 'आर्थिक कुप्रबंधन' की आलोचना करते हुए कहा कि उसने भारत को आत्मविश्वास के साथ बातचीत करने की स्थिति में नहीं छोड़ा। संप्रग सरकार के दौरान बातचीत शुरू होती थी और फिर टूट जाती थी, लेकिन लंबी बातचीत के बावजूद कोई ठोस नतीजा नहीं निकल पाता था।

पीएम मोदी ने कहा कि सुधार सरकार की प्रतिबद्धता है, जिसे उसने अपने शब्दों और भावना में प्रदर्शित किया है। अगले चरण के आर्थिक परिवर्तन के लिए निजी क्षेत्र महत्वपूर्ण, उनसे 'निर्णायक प्रतिक्रिया' देने का अनुरोध है।

कर्नाटक में छठा भारत-फ्रांस वार्षिक रक्षा संवाद

फ्रांसीसी समकक्ष के साथ राजनाथ करेंगे सह-अध्यक्षता

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 17 फरवरी, 2026 को कर्नाटक के बंगलूरू में फ्रांस की सशस्त्र सेना और पूर्व सैनिक मामलों की मंत्री कैथरीन वॉट्रिन के साथ छठे भारत-फ्रांस वार्षिक रक्षा संवाद की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा की जाएगी, जिसमें औद्योगिक सहयोग के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बैठक में हो सकते हैं यह बड़े फैसले

दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग समझौते को अगले 10 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। वहीं हैमर मिसाइल के संयुक्त निर्माण के लिए एक समझौता साइन होने की संभावना है। इसके साथ ही भारतीय सेना और फ्रांसीसी थल सेना के प्रतिष्ठानों में एक-दूसरे के अधिकारियों की तैनाती को लेकर भी घोषणा हो सकती है।

हेलीकॉप्टर प्रोजेक्ट का उद्घाटन

दोनों रक्षा मंत्री एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी देखेंगे, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों वर्चुअल माध्यम से कर्नाटक के वेमगल में टाटा-एयरबस के एच125 लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर असेंबली यूनिट का उद्घाटन करेंगे।

मजबूत है भारत-फ्रांस रक्षा संबंध

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारत-फ्रांस संबंधों में रक्षा हमेशा से एक मजबूत स्तंभ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच कई बड़े स्तर की मुलाकातें हुई हैं। बता दें कि, पीएम मोदी जुलाई 2023 में फ्रांस के बैस्टील डे परेड में मुख्य अतिथि थे। जबकि जनवरी 2024 में फ्रांस के राष्ट्रपति भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बने।

'मेरी टिप्पणी का गलत अर्थ निकाला गया', 'मैं ही राजा, मैं ही मंत्री' वाले बयान पर सीएम रेवंत की सफाई

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अपने चर्चित बयान 'नेने राजू, नेने मंत्री' (मैं ही राजा, मैं ही मंत्री) को लेकर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से समझा गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका मतलब खुद को शासक बताना नहीं था, बल्कि यह कहना था कि मुख्यमंत्री और नगर प्रशासन मंत्री होने के नाते नगर निकाय चुनावों के नतीजों की जिम्मेदारी उन्हीं की है।

पहले क्या कहा था और अब क्या सफाई दी?

मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी शुक्रवार को नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान की थी। उस समय उन्होंने यह भी कहा था कि राज्य की राजनीति या कांग्रेस पार्टी के अंदर मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। रविवार को हैदराबाद में संत सेवालाल जयंती समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा वे खुद को शासक नहीं, बल्कि जनता का सेवक मानते हैं। उनका उद्देश्य हमेशा गरीब और कमजोर वर्गों के लिए काम करना है। कुछ लोग ऐसे होते हैं जो खुद को जन्म से शासक मानते हैं- यह विपक्ष पर उनका निशाना था।

नगर चुनाव और सरकार का दावा

सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस को नगर निकाय चुनावों में 85-90इ तक सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि वे जीत में अहंकार नहीं करते और हार में निराश नहीं होते।

आदिवासी और लांबाड़ा समाज पर घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने लांबाड़ा समुदाय की भूमिका की सराहना करते हुए कहा, यह समुदाय तेलंगाना आंदोलन में महत्वपूर्ण रहा है। राज्य सरकार अब आधिकारिक रूप से संत सेवालाल जयंती मनाएगी। थांडा (आदिवासी बस्तियों) में पक्की सड़कें, स्कूल और ग्राम पंचायत भवन बनाए जाएंगे। इसके साथ ही सोलर प्लांट के जरिए बिजली पहुंचाने की योजना है।

कामाख्या कॉरिडोर को उच्च न्यायालय से हरी झंडी, सीएम हिमंता बिस्वा बोले- जल्द शुरू होगा काम

गुवाहटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने रविवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वित्त पोषित कामाख्या कॉरिडोर परियोजना, जो लंबे समय से अटकी हुई थी, गुवाहाटी उच्च न्यायालय से मंजूरी मिलने के बाद जल्द ही निर्माण कार्य फिर से शुरू करने के लिए तैयार है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, सरमा ने कामाख्या कॉरिडोर परियोजना में हुई देरी का कारण बताया, जो पिछले दो वर्षों से गुवाहाटी उच्च न्यायालय में लंबित थी। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वित्त पोषित कामाख्या कॉरिडोर परियोजना पिछले दो वर्षों से गुवाहाटी उच्च न्यायालय में लंबित थी। उच्च न्यायालय ने आईआईटी गुवाहाटी और राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान को इस परियोजना के कामाख्या के पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करने का आदेश दिया है। उन्होंने आगे कहा कि आईआईटी गुवाहाटी और राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान ने रिपोर्ट दी है कि इस परियोजना का कामाख्या पारिस्थितिकी तंत्र से कोई संबंध नहीं है। इसके बाद हमें कामाख्या कॉरिडोर का निर्माण कार्य शुरू करना होगा।

गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज में 2,200 करोड़ रुपये की एक परियोजना शुरू हो चुकी है। डिब्रूगढ़ मेडिकल कॉलेज में लगभग 600 करोड़ रुपये की एक अन्य परियोजना का प्रस्ताव कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में है। हमें जो दो ट्यूबों वाली पानी के नीचे की सुरंग मिल रही है, वह भारत की पहली रेल-सह-सड़क सुरंग है।

शुक्रवार को गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने असम सरकार को गुवाहाटी के नीलाचल पहाड़ियों में प्रस्तावित मां कामाख्या मंदिर पहुंच कॉरिडोर परियोजना को आगे बढ़ाने की अनुमति दे दी। अदालत ने शुक्रवार को इस मामले से संबंधित एक जनहित याचिका और एक रिट याचिका का भी निपटारा किया। जनहित याचिका (12/2024) कॉरिडोर के प्रस्तावित निर्माण पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग को लेकर दायर की गई थी। नवज्योति शर्मा द्वारा दायर एक अन्य रिट याचिका डडब्लूपी(सी) संख्या 2700/2024. में राज्य द्वारा दिनांक 27 नवंबर, 2023 को जारी एनआईटी के माध्यम से शुरू की गई निविदा प्रक्रिया को चुनौती दी गई है, जिसमें प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 और असम प्राचीन स्मारक और अभिलेख अधिनियम, 1959 के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है।

याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि परियोजना से माँ कामाख्या मंदिर परिसर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और धार्मिक अनुष्ठानों में बाधा उत्पन्न हो सकती है, जिससे अपवित्रता की आशंका है। अदालत ने कहा कि बहस के दौरान, असम के माननीय अधिवक्ता जनरल डी. सैकिया ने इस न्यायालय को मौखिक और लिखित रूप से आश्वासन दिया था कि संबंधित सभी अधिकारियों से, जिनमें गुवाहाटी स्थित आईआईटी की शोध एवं विश्लेषणात्मक रिपोर्ट और परियोजना के क्रियान्वयन में आने वाले जलवैज्ञानिक प्रभावों से संबंधित एक अन्य शोध संस्था की रिपोर्ट शामिल है, सभी मंजूरी प्राप्त होने तक कोई निर्माण कार्य नहीं किया जाएगा।

डीएमके का 'मिशन 200': स्टालिन ने कार्यकर्ताओं को दिया 'एक व्यक्ति-50 वोट' का अचूक फॉर्मूला

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) के विजयी इतिहास पर विचार किया और आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत की उम्मीद जताई। तिरुपथुर में पार्टी के बूथ एजेंटों के सम्मेलन में सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने डीएमके कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों के लिए लगन से काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की योजनाओं और नीतियों के बारे में जनता को सूचित करने और 200 विधानसभा क्षेत्रों में जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक पदाधिकारी को कम से कम 50 वोट दिलाने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2019 से डीएमके लगातार जीत हासिल कर रही है। मैं पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों में भी सफलता सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ काम करने का आग्रह करता हूं। यदि प्रत्येक पदाधिकारी कम से कम 50 वोट सुनिश्चित करे, तो पार्टी 200 विधानसभा क्षेत्रों में जीत हासिल कर सकती है। सरकार की उपलब्धियों को लोगों तक

पहुंचाने के लिए घर-घर जाएं और चाय की दुकानों पर भी उन पर चर्चा करें। मुख्यमंत्री ने जनता के लिए महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकारों की सहायता योजना के तहत 1.35 करोड़ महिला लाभार्थियों को 5,000 रुपये दिए जा चुके हैं, और डीएमके सरकार जनता के लिए आवश्यक कल्याणकारी उपाय जारी रखेगी। इससे पहले आज, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने राज्य सरकार की नीतियों के सकारात्मक प्रभाव पर संतोष व्यक्त किया और आगामी विधानसभा चुनावों से पहले द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) की जीत का विश्वास जताया।

यह तब हुआ जब मुख्यमंत्री तिरुपत्तूर शहर के समनगर क्षेत्र में सर्किट हाउस जाते समय स्थानीय निवासी मुनियप्पन की पत्नी मेगाला के घर पर अचानक रुके। उन्होंने पूछा कि क्या तमिलनाडु सरकार की महिला वित्तीय सहायता के तहत 5,000 रुपये उनके बैंक खाते में जमा हो गए हैं। उन्होंने खुशी-खुशी पुष्टि की कि राशि प्राप्त हो गई है। राज्य सरकार के प्रयासों पर गर्व व्यक्त करते हुए, स्टालिन ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर इस बातचीत का एक वीडियो साझा किया। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा कि हमारी सरकार की योजनाएँ हर घर तक पहुँची हैं! यही है द्रविड़ मॉडल का गौरव!' राज्य विधानसभा चुनाव नजदीक आने के मद्देनजर, डीएमके अपनी उत्तर जोन इकाई के तहत जोलारपेट्टई के पास मंडलावड़ी में मेरा बूथ, जीत का बूथ शीर्षक से बूथ स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन का आयोजन कर रही है।

इंडिया-यूएस ट्रेड डील पर राहुल गांधी का हमला तेज, बोले- श्द्र सरकार कर रही किसानों से 'विश्वासघात'

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के ढांचे को लेकर केंद्र सरकार पर अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि इस समझौते के नाम पर भारतीय किसानों के साथ विश्वासघात हो रहा है। एक पोस्ट में गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिका से डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स (डीडीजी) फसलों के आयात का मतलब पूछा। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह होगा कि भारतीय पशुओं को आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) अमेरिकी मक्का से बना डिस्टिलर्स ग्रेन खिलाया जाएगा, और सवाल उठाया कि क्या इससे भारतीय दूध उत्पादन अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर हो जाएगा।

राहुल गांधी ने कहा कि हम अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के नाम पर भारत के किसानों के साथ विश्वासघात देख रहे हैं। मैं प्रधानमंत्री से कुछ सीधे सवाल पूछना चाहता हूं: डीडीजी आयात का वास्तव में क्या मतलब है? क्या इसका मतलब यह है कि भारतीय पशुओं को जीएम अमेरिकी मक्का से बना डिस्टिलर्स ग्रेन खिलाया जाएगा? क्या इससे हमारा दूध उत्पादन अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर नहीं हो जाएगा?

कांग्रेस सांसद ने आगे इस बात पर जोर दिया कि अगर अमेरिका से आनुवंशिक रूप से संशोधित सोयाबीन तेल के आयात की अनुमति दी जाती है, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और पूरे देश के भारतीय सोयाबीन किसानों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? उन्होंने अतिरिक्त उत्पाद शब्द का अर्थ भी स्पष्ट करते हुए पूछा कि क्या यह इस बात का संकेत है कि समय के साथ भारत पर दालों और अन्य फसलों के बाजारों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने का दबाव पड़ेगा?

राहुल गांधी ने कहा कि अगर हम आनुवंशिक रूप से संशोधित सोयाबीन तेल के आयात की अनुमति देते हैं, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और पूरे देश के हमारे सोयाबीन किसानों का क्या होगा? वे एक और मूल्य वृद्धि का सामना कैसे करेंगे? जब आप 'अतिरिक्त उत्पाद' कहते हैं, तो वास्तव में इसमें क्या शामिल है? क्या यह इस बात का संकेत है कि समय के साथ दालों और अन्य फसलों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने का दबाव पड़ेगा? गांधी ने यह भी सवाल उठाया कि क्या भारत पर आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों पर अपना रुख नरम करने का कोई दबाव पड़ेगा।

संसद में कुत्ता लाने और सांसदों पर टिप्पणी करने पर घिरीं कांग्रेस सांसद, विशेषाधिकार हनन का नोटिस जारी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में संसद परिसर से जुड़ा एक बयान अब बड़ा विवाद बन गया है। राज्यसभा की कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी को संसद की विशेषाधिकार समिति ने विशेषाधिकार हनन का नोटिस जारी किया है। मामला संसद परिसर में एक आवारा कुत्ते को कार से लाने और सांसदों को लेकर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने से जुड़ा है। शिकायत भाजपा सांसदों की ओर से की गई, जिसके बाद प्रक्रिया शुरू हुई है।

क्या है पूरा मामला?

आरोप है कि शीतकालीन सत्र के दौरान एक दिसंबर को रेणुका चौधरी एक रेस्क्यू किए गए आवारा कुत्ते को अपनी कार में संसद परिसर लेकर आईं। इस पर कुछ सांसदों ने आपत्ति जताई। शिकायत के अनुसार, इस दौरान उन्होंने कथित तौर पर कहा कि 'अंदर बैठे लोग काटते हैं, कुत्ते नहीं।' इसे सांसदों की गरिमा के खिलाफ और अपमानजनक टिप्पणी बताया गया। इसी बयान और सुरक्षा नियमों के कथित उल्लंघन को आधार बनाकर विशेषाधिकार हनन की शिकायत दी गई।

विशेषाधिकार समिति ने मांगा जवाब

सूत्रों के अनुसार, राज्यसभा की विशेषाधिकार समिति ने शिकायत को संज्ञान में लेकर रेणुका चौधरी से लिखित जवाब मांगा है। उन्हें 23 फरवरी तक अपना पक्ष रखने को कहा गया है। यह शिकायत भाजपा सांसद बृजलाल और इंदुबाला गोस्वामी ने नियम 188 के तहत दी। शिकायत में कहा गया कि इस तरह का बयान दोनों सदनों के निर्वाचित सांसदों की गरिमा को ठेस पहुंचाता है।

ममता बनर्जी ने बीएनपी की जीत पर जताई खुशी, तारिक रहमान को भेजे फूल और मिठाई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में शानदार जीत के लिए तारिक रहमान को फूल और मिठाई भेजी है। राज्य सरकार के सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। ममता बनर्जी ने बांग्लादेश के नागरिकों को बधाई दी, जहां उन्होंने बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के नेता को 'तारिक भाई' कहकर संबोधित किया और रमजान के पवित्र महीने से पहले पड़ोसी देश को शुभकामनाएं दीं।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, बनर्जी ने शनिवार शाम को तारिक रहमान को फोन किया और उनकी पार्टी की जीत पर बधाई दी। सूत्रों के अनुसार, ये उपहार बीएनपी मीडिया सेल के सदस्य अतीकुर रहमान रुमान और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने ग्रहण किए।

इससे पहले, ममता बनर्जी ने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर पार्टी को बधाई दी, मेरी हार्दिक बधाई, शुभोनंदन,

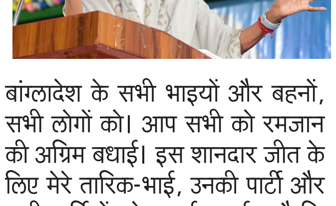

बांग्लादेश के सभी भाइयों और बहनों, सभी लोगों को। आप सभी को रमजान की अग्रिम बधाई। इस शानदार जीत के लिए मेरे तारिक-भाई, उनकी पार्टी और सभी पार्टियों को बधाई। प्रार्थना है कि आप सभी स्वस्थ और खुश रहें। कामना है कि बांग्लादेश के साथ हमारे संबंध हमेशा सौहार्दपूर्ण रहें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर रहमान को बीएनपी को निर्णायक जीत दिलाने के लिए बधाई दी। उन्होंने पोस्ट किया, तारिक रहमान से बात करके बहुत खुशी हुई। मैंने उन्हें बांग्लादेश चुनावों में इस उल्लेखनीय जीत के लिए बधाई दी। मैंने बांग्लादेश के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के उनके प्रयासों में अपनी शुभकामनाएं और समर्थन व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों वाले दो करीबी पड़ोसी होने के नाते, मैं दोनों देशों की जनता की शांति, प्रगति और समृद्धि के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि करता हूं।

महाराष्ट्र में होगी राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता

मंत्री लोढ़ा की उपस्थिति में गांधीनगर में इंडिया स्किल प्रतियोगिता का उद्घाटन

दिव्यांश

मुंबई। महाराष्ट्र में भी राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, यह जानकारी केंद्रीय कौशल विकास मंत्री जयंत चौधरी ने दी। गुजरात के गांधीनगर में मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा की उपस्थिति में आज पश्चिम क्षेत्र की इंडिया स्किल प्रतियोगिता का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर मंत्री लोढ़ा ने वर्ष 2028 की राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता महाराष्ट्र में आयोजित करने का प्रस्ताव केंद्रीय मंत्री चौधरी के समक्ष रखा, जिसे उन्होंने सहमति प्रदान की।

इस वर्ष चीन के शंघाई में विश्व कौशल प्रतियोगिता आयोजित होने जा रही है। इसी के मद्देनज़र केंद्रीय कौशल विकास मंत्रालय और नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के संयुक्त तत्वावधान में देशभर में इंडिया स्किल राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। गांधीनगर में पश्चिम क्षेत्र की प्रमुख चयन प्रतियोगिता हो रही है, जिसमें मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा के 300 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए हैं। इनमें महाराष्ट्र के 117 विद्यार्थियों की भागीदारी है। आगे की प्रतियोगिता नोएडा में होगी,

जिसके बाद चयनित प्रतिभागी चीन में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

गांधीनगर में आयोजित उद्घाटन समारोह में राज्य के कौशल विकास मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने प्रतियोगियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि कौशल प्रतियोगिता का यह मंच विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की दिशा देने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'पीएम सेतु' योजना शुरू कर देशभर में कौशल विकास को गति दी गई है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में कौशल विकास विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। साथ ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में महाराष्ट्र में विभिन्न योजनाएँ सफलतापूर्वक लागू हो रही हैं और उनके नेतृत्व में राज्य देश की कौशल विकास राजधानी के रूप में उभर रहा है।

केंद्रीय कौशल विकास मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि भारत युवाओं का देश है और युवा शक्ति ही विकसित भारत की अवधारणा का केंद्र बिंदु है। इसी सोच के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कौशल विकास पर विशेष जोर दे रहे हैं।

चीन के शंघाई में होने वाली विश्व कौशल प्रतियोगिता में मेकाट्रॉनिक्स, विद्युत स्थापना, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी, औद्योगिक तकनीक, साइबर सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा तकनीक जैसे छह कौशल क्षेत्रों से जुड़े विद्यार्थी अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत करेंगे। मंत्री लोढ़ा ने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय विद्यार्थी किसी भी स्तर पर पीछे नहीं रहेंगे। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के दो प्रतिभागियों ने पिछली प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय सफलता हासिल की थी और इस बार भी विद्यार्थी शानदार प्रदर्शन करेंगे। इसी विश्वास के साथ उन्होंने सभी प्रतिभागियों को आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएँ दीं।

महाराष्ट्र में सियासी भूचाल! शिवाजी -टीपू तुलना पर कांग्रेस अध्यक्ष की जुबान के लिए 10 लाख का इनाम

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में उस समय बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने सार्वजनिक रूप से महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल की 'जूँ काटने' वाले को 10 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की। यह भड़काऊ घोषणा सपकाल की उस हालिया टिप्पणी के बाद हुई जिसमें उन्होंने टीपू सुल्तान की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से की थी।

शिवाजी महाराज स्मारक पर विरोध प्रदर्शन

अहिल्यानगर स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक के सामने आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान यह विवादास्पद घोषणा की गई। भाजपा नेता और कार्यकर्ता सपकाल के बयान की निंदा करने के लिए एकत्रित हुए और आरोप लगाया कि उनकी तुलना पूजनीय मराठा योद्धा की विरासत का अपमान है। विरोध प्रदर्शन के दौरान, पार्टी कार्यकर्ताओं ने जूता प्रदर्शन किया, नारे लगाए और सपकाल की तस्वीर को एक सार्वजनिक

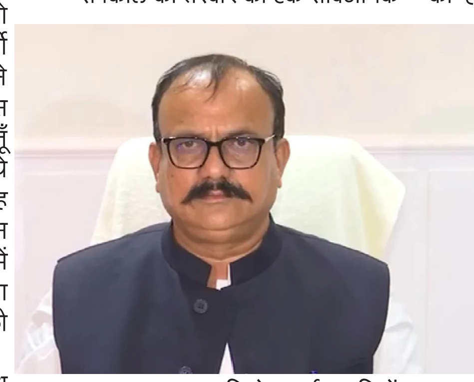

स्थान पर रखा, जिसे प्रदर्शनकारियों ने पैरों से रौंद दिया। विरोध स्थल पर, भाजपा कार्यकर्ताओं ने घोषणा की कि जो कोई भी सपकाल की जीभ काटेगा, उसे अहिल्यानगर भाजपा इकाई द्वारा 10 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

एक भाषण में पार्टी पदाधिकारी ने सपकाल की टिप्पणियों की आलोचना की और नकद पुरस्कार की घोषणा करते हुए कठोर भाषा का प्रयोग किया। इस बयान की विपक्षी नेताओं ने व्यापक निंदा की है, जिन्होंने इसे खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना बताया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इस तरह की बयानबाजी तनाव को बढ़ा सकती है और लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर कर सकती है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब सपकाल ने मालेगांव नगर निगम में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाने को लेकर हुए एक अलग विवाद पर टिप्पणी की। अपने रुख का बचाव करते हुए सपकाल ने कहा था कि जिस प्रकार छत्रपति शिवाजी महाराज ने लोगों में साहस और स्वतंत्रता की भावना को प्रेरित किया, उसी प्रकार टीपू सुल्तान ने भी अंग्रेजों के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी और उन्हें प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में देखा जाना चाहिए।

महाशिवरात्रि पर भाईंदर में उमड़ा आस्था का सैलाब, मंदिरों में दिनभर लगा रहा तांता

भाईदंर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर भाईंदर शहर शिवभक्ति में पूरी तरह रंगा नजर आया। सुबह 6 बजे से ही विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। मंदिर परिसर 'हर हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठे और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।भाईंदर के जैसल पार्क, आरएमपी पार्क, कस्तूरी पार्क, नवघर रोड, वीपी रोड खारीगांव, केविन रोड और नर्मदा नगर जैसे इलाकों में स्थित शिव मंदिरों में दिनभर भारी भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से शिवलिंग पर जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और बेलपत्र अर्पित कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।कई मंदिरों में विशेष सजावट की गई थी और भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया गया। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ पूजा-अर्चना में भाग लिया। सुरक्षा और व्यवस्था

बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवकों की टीम भी तैनात रही।

चयनित मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के टर्मिनल एवं समय-सारणी में संशोधन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल ने परिचालन कारणों से कुछ चयनित मेल एवं एक्सप्रेस ट्रेनों के टर्मिनल स्टेशनों में परिवर्तन करने तथा उनकी समय-सारणी में संशोधन करने का निर्णय लिया है। इसके परिणामस्वरूप कुछ अन्य ट्रेनों के आगमन एवं प्रस्थान समय में भी बदलाव किया गया है, जो निर्धारित तिथियों से प्रभावी होगा।

गाड़ी संख्या 12111 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-अमरावती एक्सप्रेस दिनांक 14 अप्रैल 2026 से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 20.50 बजे प्रस्थान करेगी, जो पूर्व में 20.05 बजे थी। यह गाड़ी दादर स्टेशन पर 21.02 बजे पहुंचेगी और 21.05 बजे प्रस्थान करेगी, ठाणे पर 21.17 बजे आगमन और 21.20 बजे प्रस्थान होगा, कल्याण पर 21.47 बजे आगमन तथा 21.50 बजे प्रस्थान करेगी, जबकि इगतपुरी पर 23.30 बजे आगमन और 23.35 बजे प्रस्थान करेगी।

गाड़ी संख्या 12289 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-नागपुर दुरंतो एक्सप्रेस दिनांक 14 अप्रैल 2026 से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 20.35 बजे प्रस्थान करेगी, जो पूर्व में 19.55 बजे थी। वहीं गाड़ी संख्या 12290 नागपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस दुरंतो एक्सप्रेस 14 अप्रैल 2026 से 07.50 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी, जो पहले 08.05 बजे पहुंचती थी।

गाड़ी संख्या 17318 दादर-हुबली एक्सप्रेस दिनांक 14 अप्रैल 2026 से दादर से 20.05 बजे प्रस्थान करेगी, जो पूर्व में 20.15 बजे थी। यह गाड़ी ठाणे पर 20.22 बजे पहुंचेगी और 20.25 बजे प्रस्थान करेगी, जबकि पनवेल पर 21.08 बजे आगमन और 21.10 बजे प्रस्थान करेगी।

गाड़ी संख्या 11301 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-बेंगलुरु एक्सप्रेस दिनांक 14 अप्रैल 2026 से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 07.55 बजे प्रस्थान करेगी, जो पूर्व में 08.10 बजे थी। यह गाड़ी दादर पर 08.07 बजे पहुंचेगी और 08.10 बजे प्रस्थान करेगी तथा कल्याण पर 08.42 बजे आगमन और 08.45 बजे प्रस्थान करेगी।

गाड़ी संख्या 22108 लातूर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 13 अप्रैल 2026 से 08.00 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी, जो पूर्व में 07.55 बजे पहुंचती थी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 12116 सोलापुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस 13 अप्रैल 2026 से 06.30 बजे पहुंचेगी, जो पहले 06.35 बजे पहुंचती थी। गाड़ी संख्या 22144 बिदर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 16 अप्रैल 2026 से 08.00 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी, जो पूर्व में 07.55 बजे पहुंचती थी।

इसके अतिरिक्त, गाड़ी संख्या 22177/22178 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-महानगरी एक्सप्रेस के टर्मिनल में परिवर्तन किया गया है। अब यह गाड़ी वाराणसी के स्थान पर बनारस तक संचालित होगी। गाड़ी संख्या 22177 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-बनारस महानगरी एक्सप्रेस छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 00.15 बजे प्रस्थान करेगी, जो पूर्व में 00.10 बजे थी, तथा 03.45 बजे बनारस पहुंचेगी, जो पहले 03.35 बजे वाराणसी पहुंचती थी। वहीं गाड़ी संख्या 22178 बनारस-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस महानगरी एक्सप्रेस बनारस से 09.45 बजे प्रस्थान करेगी, जो पूर्व में 10.00 बजे थी, और 11.40 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि उपरोक्त परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

पचास वर्षों का अटूट बंधनः हजारी लाल त्रिवेदी एवं लक्ष्मी त्रिवेदी की स्वर्णिम वैवाहिक यात्रा का भव्य उत्सव

खडकपाड़ा, कल्याण पश्चिम स्थित स्प्रिंग टाइम क्लब हाउस में 5 फरवरी को हजारी लाल त्रिवेदी एवं श्रीमती लक्ष्मी त्रिवेदी ने अपने वैवाहिक जीवन की स्वर्ण जयंती बड़े ही हर्षोल्लास, पारंपरिक रीति-रिवाजों और पारिवारिक उल्लास के साथ मनाई। इस विशेष अवसर पर दिल्ली एवं आगरा से ससुराल पक्ष सहित परिवारजनों और रिश्तेदारों की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को स्मरणीय बना दिया।

आगरा से उनके बड़े भाई हरी ओम त्रिवेदी एवं छोटे भाई हृदयेश त्रिवेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं दिल्ली से साले साहब यादव सिंह, ज्ञान चंद एवं कपूर चंद सहित बहनोईगण और समस्त त्रिवेदी परिवार के सदस्य समारोह में शामिल हुए। परिजनों और शुभचिंतकों की आत्मीय उपस्थिति से आयोजन भावनाओं से परिपूर्ण रहा।

स्वर्ण जयंती को एक बार फिर विवाह समारोह की भांति भव्य रूप दिया गया। मेहंदी और हल्दी की रस्मों के साथ

कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसके बाद ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच बारात की निकासी निकली। मंच पर पारंपरिक अंदाज में वरमाला की रस्म संपन्न हुई, जिसने उपस्थित जनसमूह को 50 वर्ष पूर्व के पावन वैवाहिक बंधन की मधुर स्मृतियों में ले गया।

रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह में चार चांद लगाए। परिजनों एवं मित्रों ने दंपती को उपहार भेंट कर उनके सुखद, स्वस्थ और दीर्घ दांपत्य जीवन की कामना की। इसके उपरांत अतिथियों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया, जिसमें विशेष रूप से पानीपुरी का स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहा।

समारोह के समापन पर आमंत्रित अतिथियों को स्मृति-चिह्न स्वरूप चांदी का दीपक एवं अन्य खाद्य उपहार भेंट कर सम्मानपूर्वक विदा किया गया। यह स्वर्णिम उत्सव न केवल सफल दांपत्य जीवन के 50 वर्षों का उत्सव था, बल्कि परिवार की एकता, प्रेम और संस्कारों का प्रेरक उदाहरण भी प्रस्तुत करता रहा।

संजय राउत का टी20 मैच पर बड़ा हमला, बोले- यह भारत-पाकिस्तान नहीं, जय शाह बनाम पाकिस्तान का मुकाबला है

मुम्बई **(एजेंसी)**। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा को पाकिस्तान के खिलाफ भारत के क्रिकेट मैचों से फायदा होता है। उनका दावा है कि इन मैचों से बड़े पैमाने पर सट्टेबाजी और जुआ होता है, जिसका पैसा अंततः पाकिस्तान जाता है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, उन्होंने आज होने वाले टी20 विश्व कप 2026 के भारत बनाम पाकिस्तान मैच को दोनों टीमों के बीच का मुकाबला नहीं, बल्कि आईसीसी अध्यक्ष जय शाह और पाकिस्तान के बीच का मुकाबला बताया। संजय राउत ने कहा कि यह भारत-पाकिस्तान का मैच नहीं है। यह जय शाह बनाम पाकिस्तान का मैच है। भारत की जनता इसे नहीं चाहती। भारतीय जनता भारत और पाकिस्तान के बीच खेलने के लिए सहमत नहीं है। भारत-पाकिस्तान मैच क्रिकेट में सबसे ज्यादा सट्टेबाजी और जुआ का स्रोत है, और यह पैसा भी पाकिस्तान जाता है। यहां तक कि दलाल (स्थानीय दलाल), खासकर भाजपा के नेता, इससे लाभ उठाते हैं।

उन्होंने आगे दावा किया कि गुजरात और राजस्थान से एक बड़ा जुआ और सट्टेबाजी का नेटवर्क संचालित होता है, जिसकी कमाई पाकिस्तान पहुँचती

है। राउत ने आरोप लगाया कि इस पैसे का कुछ हिस्सा आतंकवाद को वित्त पोषित करने में भी इस्तेमाल किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप पहलगाम, पुलवामा, उरी और पठानकोट में हमले हुए। राउत ने कहा कि यह गुजरात और राजस्थान से संचालित होने वाला एक बहुत बड़ा रैकेट है, जो सट्टेबाजी और जुए से जुड़ा है। पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में 25, 000 करोड़ रुपये पाकिस्तान गए। फिर वह पैसा आतंकवादियों तक पहुँचता है– कुछ पहलगाम जाते हैं, कुछ पुलवामा, कुछ उरी, कुछ पठानकोट। भारत-पाकिस्तान क्रिकेट में यही होता है; पैसा इसी तरह बहता है। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को देखते हुए, अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैचों का कुछ हलकों द्वारा विरोध किए जाने के बीच राउत ने ये टिप्पणियां की हैं। इससे पहले, पाकिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम, जिसने बांग्लादेश के समर्थन में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ ग्रुप स्टेज टी20 विश्व कप मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया था।

मध्य रेल ने स्क्रैप बिक्री से अर्जित किया 404.72 करोड़ रुपये का राजस्व

वित्त वर्ष 2025-26 में 'जीरो स्क्रैप मिशन' की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल ने स्क्रैप को मूल्यवान राजस्व-सृजन करने वाली संपत्तियों में परिवर्तित करने तथा संसाधनों के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू किए गए प्रमुख मिशन 'जीरो स्क्रैप स्थिति' को प्राप्त करने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया है।

दिनांक 11 फरवरी 2026 तक, मध्य रेल ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान स्क्रैप की बिक्री से 404.72 करोड़ रुपये का उल्लेखनीय राजस्व अर्जित किया है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में फरवरी 2025 तक अर्जित 393.65 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 2.81 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

यह महत्वपूर्ण उपलब्धि विभिन्न श्रेणियों के स्क्रैप और जारी की गई सामग्री के सुव्यवस्थित निपटान के माध्यम से प्राप्त की गई है, जिनका विवरण इस प्रकार हैः

रेलवे का स्थायी स्क्रैपः 40,177 मीट्रिक टन

स्लीपरः 2,55,318 नग

लौह स्क्रैपः 25,790 मीट्रिक टन

अलौह स्क्रैपः 3,325 मीट्रिक टन

रोलिंग स्टॉकः 47 लोकोमोटिव, 70 कोच एवं 110 वैगन

मध्य रेल के स्टोर्स विभाग द्वारा कुर्ला कटिंग यार्ड, ट्रैक्शन मशीन वर्कशॉप (नाशिक), परेल वर्कशॉप, मनमाड वर्कशॉप जैसे दूरस्थ एवं बिखरे हुए स्थानों के साथ-साथ मध्य रेल के सभी पाँच मंडलों में उपलब्ध स्क्रैप सामग्री की पहचान एवं निपटान के लिए गहन और सुव्यवस्थित अभियान चलाए गए। इन लक्षित प्रयासों के परिणामस्वरूप स्क्रैप बिक्री के प्रदर्शन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। मंडलों में भुसावल मंडल अग्रणी प्रदर्शनकर्ता के रूप में उभरा है, जिसने दिनांक 11.02.2026 तक 97.72 करोड़ रुपये की सर्वाधिक स्क्रैप बिक्री दर्ज की है। यह उपलब्धि जीरो स्क्रैप मिशन को साकार करने तथा वित्तीय विवेक, परिचालन दक्षता और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के प्रति मध्य रेल की निरंतर प्रतिबद्धता और संकल्प को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

बारामती प्लेन क्रैश मामले में रोहित पवार ने शाह और डीजीसीए को लिखा पत्र, जांच की मांग की

मुम्बई **(एजेंसी)**। कर्जत-जामखेड से विधायक और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के नेता रोहित पवार ने शनिवार को कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर 28 जनवरी को हुए विमान हादसे की व्यापक और पारदर्शी जांच की मांग की है, जिसमें अजीत पवार की जान चली गई थी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में रोहित पवार ने कहा कि उन्होंने अपनी चिंताओं को विस्तार से बताते हुए एक विस्तृत ईमेल और एक प्रेजेंटेशन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को भेजा है। उन्होंने अधिकारियों को भेजे गए पत्रों और ईमेल की तस्वीरें भी साझा कीं और कहा कि उनकी यह मांग राजनीतिक रूप से प्रेरित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य दुर्घटना से जुड़े तथ्यों को स्पष्ट और पारदर्शी तरीके से स्थापित करना है। रोहित पवार ने कहा, 'यह महत्वपूर्ण है कि घटनाओं का वास्तविक क्रम लोगों के सामने रखा जाए ताकि अटकलों या संदेह की कोई गुंजाइश न रहे। इससे पहले, 10 फरवरी को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने दावा किया था कि इस दुखद विमान दुर्घटना में संभावित तोड़फोड़ की आशंका के कारण मौजूद हैं और उन्होंने गहन जांच की मांग की थी।उनके इस नवीनतम बयान पर संबंधित मंत्रालयों या डीजीसीए की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पश्चिम रेलवे

विविध कार्य

पश्चिम रेलवे, वडोदरा-390004 स्थित प्रतापनगर, डीआरएम कार्यालय, एनेक्स भवन, द्वितीय तल के उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (निर्माण) द्वारा निविदा सूचना संख्या एस एंड टी/सी/बीआरसी/141/2025-26, दिनांक 11.02.2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम एवं स्थान :** 'डिप्टी मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (निर्माण), वडोदरा, गुजरात (पश्चिम रेलवे) के अधीन डब्ल्यूटीपीएस साइडिंग हेतु सेवालिया स्टेशन पर ट्रैक सर्किट कार्य के संबंध में हॉट स्टैंडबाय इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (हिताची निर्मित) प्रणाली तथा आउटडोर सिग्नलिंग प्रणालियों का डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, परिवर्तन, परीक्षण एवं कमीशनिंग का कार्य।' **कार्य की अनुमानित लागत :** 3,86,77,172.84 **ईएमडी :** 3,43,400.00 **ई-निविदा जमा करने की तिथि एवं समय :** 09.03.2026 को 15.00 बजे तक। **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 09.03.2026 को 15.30 बजे। अधिक विवरण के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 1116

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

ट्रैक बॉन्डिंग कार्य

पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल के वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सब) द्वारा ई-निविदा संख्या डब्ल्यूआर-एमएमसीटीओईएसयूबी (ईएसओटी)/3/2026, दिनांक 10.02.2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** चर्चगेट-विरार खंड में टीएसआर (पी) 24.645 किलोमीटर एवं टीआरआर (पी) 16.501 किलोमीटर के अंतर्गत ट्रैक बॉन्डिंग कार्य, साथ ही टीटीआर (एफएस+ टीडब्ल्यूएस + डब्ल्यूसीएमएससी) - 80 सेट, टीटीआर (सीएमएससी) - 71 सेट, टीटीआर (सीएस) - 49 सेट तथा एसईजे - 62 संख्या से संबंधित कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत :** 81,63,659/-**बिड सुरक्षा :** 1,63,300/- निविदा जमा करने की तिथि एवं समय : 10.03.2026 को 15.00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 10.03.2026 को 15.30 बजे। अधिक विवरण के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 1110

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

मरम्मत एवं रखरखाव कार्य

पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, छठी मंज़िल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई - 400 008 के मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए) द्वारा निविदा सूचना संख्या बीसीटी/25-26/315, दिनांक 09.02.2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य एवं स्थान :** बांद्रा स्टेशन पर स्थित ग्रेड-I विरासत संरचना का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत :** 87,08,574.65/-**ईएमडी :** 1,74,200/- **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय :** 10.03.2026 को 15.00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 10.03.2026 को 15.30 बजे। अधिक विवरण के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 1111

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

ओएचई कार्य

पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल के वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सब) द्वारा ई-निविदा संख्या डब्ल्यूआर-एमएमसीटीओईएसयूबी (ईएसओटी)/2/2026, दिनांक 10.02.2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** चर्चगेट-विरार खंड में टीएसआर (पी) 24.645 किलोमीटर तथा टीआरआर (पी) 16.501 किलोमीटर के संबंध में ओएचई कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत :** 87,55,900/- **बिड सुरक्षा :** 1,75,100/- **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय :** 10.03.2026 को 15.00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 10.03.2026 को 15.30 बजे। अधिक विवरण के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 1109

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

शिवाजी महाराज टिप्पणी विवाद पर बवालः

पुणे में भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में पथराव, दो महिला पुलिसकर्मी घायल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। पुणे में छत्रपति शिवाजी महाराज को लेकर दिए गए एक बयान के बाद सियासी विवाद सड़क पर टकराव में बदल गया। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल की टिप्पणी के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया, जिसके दौरान कांग्रेस भवन के पास दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच पथराव हो गया। इस झड़प में कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

मामला तब बढ़ा जब भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता ने छत्रपति शिवाजी महाराज और टीपू सुल्तान की तुलना कर उनका अपमान किया है। इसी के विरोध में भाजपा कार्यकर्ता पुणे में कांग्रेस भवन के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे थे। भाजपा का कहना है कि प्रदर्शन की सूचना पहले ही पुलिस को दे दी गई थी। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ता भी भवन के भीतर मौजूद थे। नारेबाजी के दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और हालात बिगड़ गए।

क्या है भाजपा का आरोप?

पुणे भाजपा शहर अध्यक्ष धीरज घाटे ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे थे। उनका कहना है कि कांग्रेस भवन के अंदर से पथराव शुरू हुआ और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ गाली-गलौज की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब पहले से तैयार योजना के तहत किया गया। भाजपा ने हर्षवर्धन सपकाल से इस्तीफे की मांग की है। घाटे ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पुलिस का बयान और नुकसान

संयुक्त पुलिस आयुक्त रंजन कुमार शर्मा ने बताया कि भाजपा के आंदोलन के बाद कुछ कार्यकर्ता कांग्रेस भवन के पास पहुंचकर नारेबाजी करने लगे। जवाब में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी नारे लगाए। इसी दौरान दोनों तरफ से पथराव शुरू हो गया। इस घटना में तीन कांग्रेस कार्यकर्ता, दो भाजपा कार्यकर्ता, दो महिला पुलिसकर्मी और दो पत्रकार घायल हुए हैं। पुलिस ने कहा कि दोनों पक्षों से शिकायत ली जा रही है और एफआईआर दर्ज की जा रही है।

अन्य नेताओं की तीखी प्रतिक्रिया

इस विवाद पर शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी और हर्षवर्धन सपकाल के बयान की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की किसी से तुलना नहीं हो सकती। बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। पुलिस ने कहा है कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और आगे किसी भी तरह की हिंसा रोकने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

रक्षा मंत्रालय से मिली भूमि, हटाया गया अतिक्रमण

डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन के विकास को मिली नई गति

प्लेटफार्म-4 होगा फुल लेंथ, ट्रेनों के संचालन में मिलेगा बड़ा लाभ

रतलाम। डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन के विकास कार्यों में आ रही एक बड़ी बाधा को अब दूर कर लिया गया है। रेलवे द्वारा रक्षा मंत्रालय से विकास कार्यों के लिए मांगी गई भूमि उपलब्ध करा दी गई है तथा संबंधित क्षेत्र में वर्षों से चले आ रहे अतिक्रमण को भी पूरी तरह हटा दिया गया है।

डॉ. अम्बेडकर नगर से पातालपानी के मध्य किमी 514/9 से 515/3 तथा किमी 515/22 से 515/26 के बीच अतिक्रमण हटाकर कुल 1,51,613 वर्ग फीट भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 13.45 करोड़ रुपये है। यह संपूर्ण भूमि रक्षा संपदा विभाग द्वारा रेलवे को हस्तांतरित कर दी गई है।

इस भूमि के उपलब्ध होने से स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 4 का विस्तार संभव हो सकेगा, जो वर्तमान में 400 मीटर लंबा है और जिस पर केवल 14 कोच की ट्रेन ही आ सकती है। विस्तार के बाद प्लेटफार्म-4 फुल लेंथ प्लेटफार्म बन जाएगा, जिससे पूरी लंबाई वाली ट्रेनें भी यहां आसानी से आ सकेंगी।

इसके साथ ही स्टेशन की लाइन नंबर 5 एवं 6 का भी विस्तार किया जा सकेगा, जिससे ट्रेनों की शंटिंग व्यवस्था बेहतर होगी और परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय सुधार आएगा।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार इस सुविधा से भविष्य में इंदौर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य के दौरान ट्रेनों को डॉ. अम्बेडकर नगर स्टेशन पर शिफ्ट किया जा सकेगा, जिससे इंदौर क्षेत्र में ट्रेन संचालन को बड़ी राहत मिलेगी।

इसके अलावा वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ महापर्व के दौरान भी डॉ. अम्बेडकर नगर से अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन की संभावनाएं मजबूत होंगी, जिससे यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

रेलवे द्वारा किए गए इस महत्वपूर्ण कदम से डॉ. अम्बेडकर नगर स्टेशन के विकास को नई गति मिलने के साथ-साथ क्षेत्रीय रेल परिचालन व्यवस्था भी अधिक मजबूत और सुविधाजनक बनने जा रही है।

दिल्ली येथे 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में महिलाओं के नेतृत्व में समृद्धि के लिए रूपरेखा की प्रस्तुति

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में महिलाओं के नेतृत्व में समृद्धि के लिए एक सर्वसमावेशी रूपरेखा प्रस्तुत की जाएगी। यह सत्र राष्ट्रीय महिला आयोग, अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ और संयुक्त राष्ट्र प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों, कौशल विकास, डिजिटल उद्यमिता और आर्थिक आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर दिया जाएगा। यह सत्र दिनांक 16 फरवरी 2026 को दोपहर 3.30 बजे भारत मंडपम, कक्ष क्रमांक 9 में आयोजित होगा।

इस समिट में विजया रहाटकर (अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग), मिहोको कुमामोटो (निदेशक, समृद्धि विभाग, यूनिटार), अत्सुको ओकुदा (क्षेत्रीय निदेशक, एशिया-प्रशांत, आईटीयू), ब्रिजेश सिंह (प्रधान सचिव तथा महानिदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क महानिदेशालय) और कार्तिक शाह के साथ उद्योग जगत के प्रतिनिधि, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ एवं महिला उद्यमी भाग लेंगे। महिलाओं के नेतृत्व में आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने हेतु ठोस उपाय सुझाए जाएंगे तथा विशेष रूप से ग्रामीण एवं वंचित वर्ग की महिलाओं को डिजिटल प्रौद्योगिकी के माध्यम से सशक्त बनाने पर बल दिया जाएगा।

इस परिचर्चा सत्र का उद्घाटन एआई विषय पर विशेष वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से किया जाएगा। विजया रहाटकर 'आर्थिक शक्ति : साझा समृद्धि के लिए राष्ट्रीय अनिवार्यता' विषय पर मार्गदर्शन देंगी। मिहोको कुमामोटो 'समावेशी और समृद्ध भविष्य के लिए स्थानीय क्षमता विकास' विषय पर अपने विचार रखेंगी, जबकि अत्सुको ओकुदा 'लैंगिक डिजिटल अंतर को कम करने के लिए महिलाओं का सशक्तीकरण' विषय पर संबोधन देंगी।

पैनल चर्चा में विजया रहाटकर महानगरों के बाहर महिलाओं के सशक्तीकरण हेतु प्राथमिकताएं, कौशल विकास, वित्तपोषण और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर अपनी भूमिका रखेंगी, वहीं अत्सुको ओकुदा एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अनुभवों के आधार पर डिजिटल अंतर को कम करने के उपायों पर चर्चा करेंगी। ब्रिजेश सिंह 'महिला उपयोगकर्ताओं के लिए साइबर खतरे और सुरक्षा में मौजूद कमियां' विषय पर तथा कार्तिक शाह 'रचनात्मक क्षेत्र में एआई के अवसर और चुनौतियां' विषय पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। परिचर्चा के उपरांत उपस्थित जनों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया जाएगा।

इस चर्चा सत्र में महानगरों से बाहर की महिलाओं को एआई के माध्यम से आर्थिक सशक्तीकरण कैसे प्रदान किया जा सकता है, महिला उद्यमियों के लिए साइबर सुरक्षा में किन कमियों को तत्काल दूर करने की आवश्यकता है, तथा रचनात्मक अर्थव्यवस्था में एआई से उत्पन्न अवसरों और चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कैसे किया जाए, इन बिंदुओं पर गहन चर्चा की जाएगी।

3 महीने में दोगुना रिटर्न का झांसा देकर 41 लाख की ठगी, कंपनी मालिक और बेटों पर एफआईआर दर्ज

मुंबई। व्यापार में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर एक व्यवसायी से 41 लाख रुपये से अधिक की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने 'अल्फा लाइफ आर्च' कंपनी के मालिक जाकिरुद्दीन गफ्फार सैयद और उनके दो बेटों शेहबाज सैयद व जबिल सैयद के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

3 महीनों में 50इ मुनाफे का वादा

शिकायतकर्ता अनीस खान, जो 'अक्फा कॉर्पोरेशन' नामक शिपिंग और मशीनरी रेंटल कंपनी संचालित करते हैं, ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2024 में उनकी मुलाकात आरोपी जाकिरुद्दीन सैयद से हुई थी। आरोपियों ने उन्हें एक आकर्षक निवेश योजना बताई, जिसमें निवेश की गई राशि पर 3 महीनों में 50 प्रतिशत मुनाफा देने का वादा किया गया।

आरोपियों के झांसे में आकर शिकायतकर्ता ने 14 जनवरी 2024 को एक विधिवत अनुबंध (एग्रीमेंट) किया और 40 लाख रुपये आरटीजीएस के माध्यम से आरोपियों के बैंक खाते में स्थानांतरित कर दिए। तय समय सीमा पूरी होने के बाद जब शिकायतकर्ता ने अपनी मूल राशि और लाभ की मांग की, तो आरोपी टालमटोल करने लगे।

इसी दौरान आरोपियों ने यह कहकर कि पैसा एक 'चिट फंड' में फंसा है और उसे निकालने के लिए 'प्रोसेसिंग फीस' देनी होगी, 1,03,943 रुपये का अतिरिक्त चेक भी ले लिया। इस प्रकार कुल 41,03,943 रुपये आरोपियों के पास जमा हो गए।

झूठे मामले में फंसाने की धमकी

शिकायतकर्ता के दामाद, जो व्यवसाय देख रहे थे, अप्रैल 2024 में एक अन्य मामले में सीबीआई की हिरासत में थे। फरवरी 2025 में उनके बाहर आने के बाद जब पुनः पैसों की मांग की गई, तो आरोपियों ने साफ इनकार कर दिया। आरोप है कि उन्होंने शिकायतकर्ता को झूठे फिरौती (उगाही) के मामले में फंसाने की धमकी भी दी।

मामला पुलिस तक पहुंचने पर 15 जुलाई 2025 को आरोपियों ने लिखित आश्वासन दिया था कि वे जनवरी और फरवरी 2026 तक किस्तों में कुल 61,03,943 रुपये (मूलधन और लाभ सहित) लौटा देंगे। लेकिन 12 फरवरी 2026 तक कोई भुगतान नहीं किया गया, जिसके बाद पीड़ित ने औपचारिक एफआईआर दर्ज कराई।

इन धाराओं में मामला दर्ज

अनीस खान की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 406 (आपराधिक विश्वासघात) और 34 (साझा आपराधिक मंशा) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

बताया जा रहा है कि आरोपी जाकिरुद्दीन सैयद के खिलाफ पुणे ग्रामीण क्षेत्र में किसानों के साथ कथित धोखाधड़ी का एक और मामला भी दर्ज है।

महाशिवरात्रि पर सरस्वती हॉस्पिटल में रामचरितमानस अखंड पाठ का आयोजन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आज सरस्वती हॉस्पिटल में रामचरितमानस अखंड पाठ का भव्य एवं श्रद्धामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आध्यात्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर भगवान शिव व श्रीराम के प्रति अपनी आस्था प्रकट की।

इस अवसर पर डॉ. अखिलेश शुक्ला, डॉ. राजेश चैबे, डॉ. आर. के. सिंह, डॉ. राजीव सिंह, रामकृष्ण पांडे (एडवोकेट), अशोक सिंह (एडवोकेट), राजेश पांडे, राहुल दुबे, राजेश शर्मा, हर्ष दुबे, कंचन शुक्ला, मिथलेश चैबे, आनंद मिश्रा सहित समस्त हॉस्पिटल परिवार उपस्थित रहा।

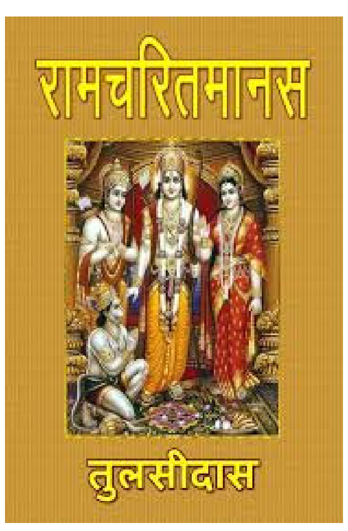

अखंड पाठ के दौरान भक्ति, शांति और सद्भाव का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद वितरण किया गया तथा आयोजकों ने सभी उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उद्धव ठाकरे के बेटे तेजस ठाकरे की तबीयत बिगड़ी, तीन दिनों से अस्पताल में भर्ती

मुंबई। उद्धव ठाकरे के छोटे बेटे तेजस ठाकरे की तबीयत खराब होने के बाद उन्हें मुंबई के सर एच. एन. रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि पिछले तीन दिनों से डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है।

सूत्रों के अनुसार, तेजस ठाकरे की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें एहतियातन अस्पताल में एडमिट किया गया था। फिलहाल विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम उनकी सेहत पर लगातार नजर रखे हुए है। हालांकि अब तक उनकी बीमारी की प्रकृति को लेकर परिवार या अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई विस्तृत आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। परिवार की ओर से उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

पिता उद्धव ठाकरे ने लिया हालचाल

रविवार, 15 फरवरी की सुबह उद्धव ठाकरे स्वयं अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों से बातचीत कर बेटे की स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कुछ समय अस्पताल में बिताया। इस दौरान पार्टी के अन्य नेता और करीबी लोग भी तेजस का हालचाल जानने अस्पताल पहुंचते रहे।

कौन हैं तेजस ठाकरे

तेजस ठाकरे आमतौर पर राजनीति से दूर रहते हैं और सार्वजनिक जीवन में कम ही नजर आते हैं। उन्होंने जय हिंद कॉलेज और बॉम्बे स्कॉटिश स्कूल से शिक्षा प्राप्त की है। वे पेशे से पर्यावरण संरक्षणवादी और वन्यजीव शोधकर्ता हैं तथा अधिकांश समय वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रहते हैं।

तेजस ठाकरे सामान्यतः लाइमलाइट से दूर रहते हैं, हालांकि वर्ष 2024 में उद्योगपति अनंत अंबानी के संगीत समारोह में उनका एक डांस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। फिलहाल परिवार और समर्थक उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

8.3 करोड़ की धोखाधड़ी केस में नया मोड़, गवाह को धमकी देने का आरोप, पुलिस से मांगी सुरक्षा

महाराष्ट्र के मुंबई में डोंगरी के 8 करोड़ रुपये से अधिक की कथित धोखाधड़ी के मामले में नया मोड़ सामने आया है. इस प्रकरण में गवाह विश्वास टाकळकर ने आरोप लगाया है कि मुख्य आरोपी मेहुल जैन और मनीषा जैन ने उन्हें कोर्ट में साक्ष्य देने के कारण धमकी दी है. इस संबंध में विश्वास टाकळकर ने एमआरए मार्ग पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है.

उनके वकील हर्षद मेश्राम के अनुसार, टाकळकर को आरोपियों की ओर से कहा गया कि यदि वे इस मामले से पीछे नहीं हटे तो उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भेज दिया जाएगा. टाकळकर ने यह भी आशंका जताई है कि जैन परिवार से उनके जीवन को खतरा है और उन्होंने पुलिस से सुरक्षा की मांग की है. एमआरए मार्ग पुलिस ने उनकी शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है.

मेहुल जैन और परिवार पर 8.3 करोड़ का मामला दर्ज है

जनवरी में डोंगरी पुलिस ने कथित क्रिकेट बुकी मेहुल जैन और उनके परिजनों के खिलाफ 8.3 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था. शिकायतकर्ता डोंगरी निवासी व्यवसायी मोहम्मद फारूक शेख ने आरोप लगाया कि जनवरी से अगस्त 2023 के बीच उन्हें ठाणे स्थित एक कंपनी में निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया.

एफआईआर के अनुसार, दिलीप जैन, कमलेश जैन, मेहुल जैन और उनके सहयोगियों ने दावा किया था कि कंपनी घाटे से उबर चुकी है और उसे 8.3 करोड़ रुपये में बेचने का प्रस्ताव रखा. आरोप है कि उन्होंने शिकायतकर्ता को यह भी आश्वासन दिया कि यदि कंपनी को परिवार की महिला सदस्यों के नाम पर खरीदा गया तो सरकारी सब्सिडी मिल सकती है.

शहीद विदीप जाधव के परिवार को 1.40 करोड़ की मिली आर्थिक सहायता, मुंबई पुलिस ने बढ़ाया मदद का हाथ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई में इंसानियत और जिम्मेदारी की एक मिसाल देखने को मिली. मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती ने पुलिस मुख्यालय में शहीद कॉन्स्टेबल स्वर्गीय विदीप जाधव के परिवार से खास मुलाकात की. माहौल भावुक था, लेकिन भरोसे से भरा हुआ. देवेन भारती ने परिवार के प्रति गहरी संवेदना जताई और कहा कि मुंबई पुलिस अपने साथी के परिवार को कभी अकेला नहीं छोड़ेगी.

उन्होंने कहा कि अपनों को खोने का दुख कोई कम नहीं कर सकता, लेकिन मुश्किल वक्त में साथ खड़ा रहना हमारा फर्ज है. इस दौरान परिवार के सदस्यों ने भी पुलिस विभाग का आभार जताया.

1.40 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता मुलाकात के दौरान वरिष्ठ बैंक अधिकारियों की मौजूदगी में शहीद जाधव के परिवार को 1.40 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता सौंपी गई. यह रकम परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने और बच्चों की पढ़ाई व अन्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दी गई है.

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि विभाग अपने शहीद साथियों के परिवारों की हरसंभव मदद करता है, ताकि वे आर्थिक रूप से मजबूत रह सकें और जीवन की राह पर आगे बढ़ सकें.

अजित पवार के साथ प्लेन में थे सवार

यह दर्दनाक हादसा 28 जनवरी 2026 को हुआ था, जिसने पूरे प्रशासन और आम जनता को झकझोर कर रख दिया. उस दिन कॉन्स्टेबल विदीप जाधव एक विमान में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थे. उसी विमान में महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी सवार थे. ड्यूटी के दौरान अचानक हुए इस भीषण हादसे में विदीप जाधव ने अपनी जान गंवा दी और कर्तव्य निभाते हुए शहीद हो गए.

मुंबई पुलिस ने कहा कि कॉन्स्टेबल विदीप जाधव की बहादुरी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा को हमेशा याद रखा जाएगा. विभाग के मुताबिक, उन्होंने अपनी ड्यूटी निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया, जिस पर पूरी पुलिस फोर्स को गर्व है. अधिकारियों ने दोहराया कि शहीद के परिवार के साथ हर हाल में खड़ा रहना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है.

सम्पादकीय

अरावली पर सुप्रीम कोर्ट का 'सुरक्षा कवच', विकास की वेदी पर पर्यावरण की बलि नहीं!

यह छिपी बात नहीं है कि जितने बड़े इलाके में अरावली की पहाड़ियां फैली हैं, वहां और उसके आसपास उसकी क्या अहमियत है। इसे सिर्फ इतने से समझा जा सकता है कि समूची पर्वत-श्रृंखला को एक जीवन-रेखा की तरह देखा जाता है।

विडंबना यह है कि वहां खनन और अन्य गतिविधियों की वजह से पूरे क्षेत्र में पड़ने वाले प्रभाव और उसके नुकसानों को देखते हुए जब अरावली के संरक्षण के लिए स्वर तेज हो रहे हैं, वैसे में भी सरकार को नई परियोजनाओं के असर पर विचार करना जरूरी नहीं लग रहा है।

गौरतलब है कि हरियाणा सरकार सुप्रीम कोर्ट में गुरुग्राम और नूंह जिले में प्रस्तावित जंगल सफारी पर विस्तृत योजना जमा करना चाहती थी। हरियाणा सरकार की ओर से अदालत में यह दलील भी दी गई कि सफारी परियोजना की विस्तृत रपट में जरूरत की भूमि को दस हजार एकड़ से बदल कर तीन हजार तीन सौ एकड़ कर दिया गया है।

मगर शीर्ष अदालत ने इस पर सख्त रुख अख्तियार किया और कहा कि जब तक विशेषज्ञ अरावली क्षेत्र की परिभाषा को बिल्कुल स्पष्ट नहीं कर देते, तब तक किसी को भी अरावली को छूने नहीं दिया जाएगा और कोई भी विकास या निर्माण कार्य की अनुमति नहीं दी जाएगी।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष अक्तूबर में हरियाणा सरकार की प्रस्तावित 'अरावली जू सफारी' परियोजना पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। हालांकि सरकार का कहना था कि इस परियोजना के तहत विश्व की सबसे बड़ी सफारी तैयार की जाएगी, जिसमें बाघ, पक्षी, सरीसृप और तितलियों के लिए अलग-अलग क्षेत्र बनाए जाने थे।

मगर भारतीय वन सेवा के पांच सेवानिवृत्त अधिकारियों और एक संगठन की ओर से दायर याचिका में कहा गया कि पहले ही संकट का सामना कर रही अरावली पर्वत-श्रृंखला के लिए यह परियोजना विनाशकारी साबित होगी। यह समझना मुश्किल है कि 'जू सफारी' बनाने या ऐसी अतिरिक्त गतिविधियों को जहां समूचे अरावली क्षेत्र के लिए नुकसानदेह माना जा रहा है, पर्यावरणविद् इसके लिए चेताते रहे हैं, उस इलाके में अरावली के परिभाषित होने तक रुकना क्यों जरूरी नहीं समझा जा रहा है।

जिस पहलू को सरकार को खुद समझना चाहिए, उसके लिए शीर्ष अदालत को बताने की जरूरत क्यों पड़ रही है। दरअसल, इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने पिछले वर्ष नवंबर में अरावली पहाड़ियों और पर्वतमाला की एक जैसी परिभाषा को स्वीकार कर लिया था। हालांकि बाद में विशेषज्ञों की रपट आने तक दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले इसके इलाकों में खनन के नए पट्टे देने पर रोक लगा दी थी।

चार राज्यों और कई सौ किलोमीटर के क्षेत्र में फैली अरावली दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में एक है और यह थार मरुस्थल को पूर्व यानी दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में फैलने से रोकने वाली एक प्राकृतिक ढाल के रूप में काम करती है। इसे समूचे उत्तर-पश्चिम भारत के लिए एक बेहद अहम पारिस्थिति तंत्र के रूप में देखा जाता है और भूजल के पुनर्भरण, मानसून को प्रभावित करने तथा जैव विविधता के संरक्षण में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

ऐसे में अरावली की पहाड़ियों के जीवन-तत्त्व की अनदेखी कर अगर खनन या फिर किसी भी तरह की परियोजना पर काम किया जाता है, तो उसका व्यापक असर पड़ेगा। बेहतर हो कि किसी भी तरह की गतिविधि से पहले हर हाल में यह सुनिश्चित किया जाए कि अरावली के अस्तित्व को कोई भी नुकसान न पहुंचे।

विकसित भारत में प्रधानमंत्री अकेले जा रहे हैं या हमें भी साथ ले जाएंगे?

पिछले सप्ताह मैंने दिल्ली में अपनी कोठी बेची और जब इस सौदे को पंजीकृत करने गई थी, तब अटल बिहारी वाजपेयी की याद आई। जैसे आजकल नरेंद्र मोदी 'विकसित भारत' की बात करते हैं और एक दौर था जब राजीव गांधी इक्कीसवीं सदी में जाने की बात किया करते थे। देश का हाल अच्छा नहीं था उन दिनों और इक्कीसवीं सदी की झलक तक नहीं दिखती थी कहीं, सिवा इसके कि कंप्यूटर आने शुरू हो गए थे।

मगर इनके आयात पर राजीव गांधी की सरकार ने इतनी पाबंदियां लगा रखी थीं कि पूरा साल लग जाता था एक कंप्यूटर को भारत में लाने के लिए। फिर भी वे बातें करते रहते थे इक्कीसवीं सदी की। इसलिए एक दिन अटलजी ने रामलीला मैदान की एक आमसभा में व्यंग्य कसते पूछा अपने भाषण में कि राजीव गांधी इक्कीसवीं सदी में अकेले ही जा रहे हैं या हमको भी साथ लेकर जा रहे हैं।

उनकी यह बात उस दिन याद आई मुझे इसलिए कि रजिस्ट्रार के दफ्तर में जब पहुंची अपनी कोठी की बिक्री रजिस्ट्री करने, तो न उस सरकारी कार्यालय में भारत के विकसित होने की कोई झलक दिखी और न ही बिक्री की कार्रवाई में। सुनिए क्या हुआ। कोठी मेरी एक फार्महाउस थी, तो इसकी बिक्री की प्रक्रिया चली। दिल्ली के एक गांव में स्थित पुराने किस्म के सरकारी दफ्तर में। अंदर दाखिल हुई, तो देखा कि हम जैसे बेचने-

खरीदने वालों के लिए कुर्सियों की एक बिल्कुल उस किस्म का इंतजाम था, जो बस अड्डों और पुराने हवाईअड्डों पर दिखता है।

बैठने की कोशिश की, तो कुर्सियों की एक पूरी कतार गिरने वाली थी। जल्दी से उठ गई और उठने से पहले देखा कि कुर्सियों पर धूल थी, जैसे उनको कभी किसी ने साफ न किया हो। नजरें दीवारों पर पड़ी, तो देखा कि स्वच्छ भारत के सफेद प्लास्टिक के पोस्टर लगे थे दोनों तरफ, जिन पर लिखा था कि दीवारों को छूना मना है, लेकिन स्वच्छ भारत अभियान का कहना न मान कर इन पोस्टरों पर लगे हुए थे काले निशान अंगूठों और अंगुलियों के।

बाद में जब मेरे हाथ को काला कर दिया गया था बिक्री के दस्तावेजों पर लगाने के लिए, तो समझ में आया क्यों ऐसा हाल था इन दीवारों का। मैंने जब काली स्याही को रगड़ कर उतारने की कोशिश की, तो बिल्कुल नहीं उतार सकी, जब तक मुझे किसी ने एक महीन कागज न दिया। अब सबके लिए यह सुविधा उपलब्ध की जाती, तो शायद सौदा रजिस्टर कराने के बाद लोग दीवारें न गंदी करते।

बिक्री की प्रक्रिया शुरू हुई, तो ऐसा लगा मुझे जैसे इक्कीसवीं सदी में नहीं उन्नीसवीं सदी में पहुंच गई हूं। कोई पचास बार दस्तावेजों पर दस्तखत किए मैंने और इसके बाद बाएं हाथ की अंगुलियों और अंगूठे पर काली स्याही लगा कर उन दस्तखतों पर लगाए। इसके बाद जब मैंने किसी से पूछा कि अब जा सकती हूं, तो मालूम हुआ कि अभी बिक्री को रजिस्टर करवाने के लिए एक कदम और लेना पड़ेगा। 'बायोमेट्रिक करना है जी'। पूछा कि अगर बायोमेट्रिक करने का इंतजाम है, तो अंगुलियों को काला करने की क्या जरूरत है और जवाब में सुना कि 'ऐसा ही होता है जी'।

हम क्यों नहीं पूछते हैं कि ऐसे क्यों होता है? क्यों नहीं पूछते हैं कि कंप्यूटरों और एआइ के इस दौर में क्या जरूरत है पचासों बार दस्तखत कराने की? अंगूठों से छाप लगाने की? छना चाहिए हमको वही सवाल जो अटलजी ने कभी राजीव गांधी से पूछा था इक्कीसवीं सदी वाला। विकसित भारत में क्या अपने वर्तमान प्रधानमंत्री अकेले ही जा रहे हैं या हमको भी साथ लेकर जाएंगे? न मजाक कर रही हूं, न व्यंग्य कस रही हूं। पूरी गंभीरता से पूछ रही हूं और पूरी गंभीरता से नरेंद्र मोदी को भी यह सवाल पूछना चाहिए अपने अधिकारियों से, ताकि उनको भी खबर हो जाए कि भारत के कई हिस्से हैं अभी जो विकसित होने का सपना भी नहीं देख सकते हैं इसलिए कि सरकार से हर भेंट में उनको जूझना पड़ता है ऐसे प्रशासनिक प्रक्रियाओं से जो बेमतलब हो जाने चाहिए थे अभी तक। नहीं हुए हैं अगर तो कारण क्या है? उस दिन पिछले हफ्ते जब मैं उस रद्दी, गंदे सरकारी दफ्तर से निकल कर आई थी कोठी का सौदा पूरा होने के बाद, तो इसके बारे में सोचती रही। इस नतीजे पर पहुंची कि भारत एक ऐसी इमारत है जिसकी कई मंजिलें हैं और जो लोग उस ऊपर वाली मंजिल में अपना सारा समय बिताते हैं, उनको निचली मंजिलें दिखती नहीं हैं। ऐसा था राजीव गांधी के दौर में जब उनके ऊंचे महल के दरवाजे पर सुनाई देती थी इक्कीसवीं सदी की दस्तक और ऐसा आज है जब प्रधानमंत्री के ऊंचे महल पर दस्तक दे रहा है 2047, यह कहते हुए कि जब आजादी के सौ साल पूरे हो जाएंगे, तो भारत पूरी तरह से विकसित देश बन जाएगा।

मगर हम तो निचली मंजिलों पर रहने वाले लोग हैं, हमको विकसित भारत का वादा खोखला लगता है। जब भी हम किसी सरकारी कार्यालय में जाते हैं और भेंट होती है अधिकारियों से, तो उलझ जाते हैं उनके बनाए हुए नियमों के लालफीते में। चुपचाप अपना काम करा कर हम घर लौट आते हैं बिना कोई शिकायत किए, क्योंकि हमारा काम हो गया है, तो और क्या चाहिए।

एक पत्रकार होने के नाते मैं ऐसा कर नहीं सकी इसलिए कि सोचती रही कि उनका क्या होता होगा जिनके पास वकील रखने की क्षमता नहीं है और जो लिख-पढ़ भी नहीं सकते हैं। उनको जब लालफीते में लपेट दिया जाता है, तो वे चुपचाप सह तो लेते हैं, लेकिन शायद जानते हैं कि भारत को विकसित होने में अभी समय लगेगा।

'मैं' का अंधेरा और 'हम' का उजाला सामूहिकता में ही जीवन का सार

जीवन में अक्सर ऐसे पल आते हैं, जब किसी अनमोल सबक का जरिया अपने आसपास का कोई बच्चा बन जाता है। एक जगह दो बच्चे साथ खेलते हुए घर बना रहे थे। एक बच्चे ने दो घर बनाए- एक छोटा और दूसरा बड़ा। दूसरे ने एक दोमंजिला घर बनाया। पहले ने कहा कि मेरा बड़ा वाला घर मेरे लिए और छोटा वाला मां-पिता और दादा-दादी के लिए। दूसरे ने कहा कि मुझे सबसे साथ रहने में अच्छा लगता हैष्ठ हम सब साथ-साथ रहेंगे, एक ही घर में। दूसरे बच्चे की निश्छल, निस्वार्थ और सबके साथ रहने की बात एक अनमोल सबक थी।

दरअसल, बालपन में ही 'अहं' और 'मैं' का द्वंद्व शुरू हो जाता है। एक बच्चे के लिए महत्त्वपूर्ण 'हम' है। वह अपने मां-पिता, दादा-दादी, भाई-बहनों के साथ रहने में आनंद और प्रसन्नता का अनुभव करता है और उसके सपनों का घर भी उसके मन की तरह विशाल और भव्य है, जिसमें वह सबके साथ हंसी-खुशी रहने का सुखद सपना संजोए है। इसलिए उसने एक ही घर बनाया है। जबकि एक बच्चे के लिए महत्त्वपूर्ण है उसका 'मैं।'

अपने सपनों के घर में वह अकेला रहना पसंद करता है। ऐसा घर, जिस पर उसका एकाधिपत्य हो, जहां वह निर्द्वंद्व भाव से अपने मन की करने के लिए स्वतंत्र हो, कोई रोक-टोक न हो। भविष्य का जो सपना उसके मन में उछल-कूद मचाए हुए है, उसमें भी उसका 'अहं' हावी है। इन दो बच्चों की तरह ही हम सबमें कमोबेश यह प्रवृत्ति उपस्थित मिलेगी। 'अहं' को अहमियत देते हुए स्वयं को सर्वोपरि मानने वाले भी हमारे बीच हैं और 'हम' को अहमियत देते हुए सबके प्रति समभाव रखने वाले भी हैं।

अहं के भाव की मनोवृत्ति मनुष्य को एकाकी बनाती है, क्योंकि वह अन्य के प्रति उपेक्षा भाव रखता है। उन्हें अपने समक्ष मानने से उसका दंभ जख्मी होने लगता है। वह अन्य को हेय और स्वयं को श्रेष्ठ मानने के भ्रम में जीता है। ऐसी मानसिकता के लोगों पर राजस्थानी में एक कहावत है- 'म्हनैं घड़गी जिकी बाड़ में बड़गी।' मतलब कि विधाता ने उसे खासतौर पर गढ़ा है, उसके बाद उसने ऐसी विलक्षण विभूति गढ़नी बंद ही कर दी। वे यह मानने को ही तैयार नहीं होते कि उनसे सुयोग्य व्यक्ति भी इसी धरा पर मौजूद हैं। आत्ममुग्धता के व्यामोह में उलझे हुए ऐसे व्यक्ति अपने से ज्यादा प्रतिभासंपन्न व्यक्तित्व को 'रोगी' कहने में भी संकोच नहीं करते। अहं की मनोवृत्ति व्यक्ति को अहंकारी, असहिष्णु, अभिमानी, आत्ममुग्ध और दंभी बनाती है। इस प्रवृत्ति का व्यक्ति अगर घर का मुखिया है या किसी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, व्यावसायिक आदि समूह या संस्थान का प्रमुख है, तो वह स्वयं के निर्णय को ही सर्वोपरि मानते हुए अन्य सभी से अपेक्षा रखेगा कि वे बिना तर्क-वितर्क के उसे स्वीकार करें।

अन्य से राय-मशविरा करना या अन्य की सलाह या सुझाव को स्वीकारना उसे स्वीकार नहीं होता। अपना निर्णय अन्य पर थोपने से उसके अहं की संतुष्टि और गर्व की अनुभूति होती है। वह न उम्र का लिहाज करता है, न किसी पद या प्रतिष्ठा का। अन्य को कमतर और स्वयं को बेहतर बताने में ही उसकी ऊर्जा का अपव्यय होता रहता है। ऐसी मानसिकता के व्यक्ति अनुदार, अव्यावहारिक और आत्ममुग्ध होते हैं। अहं में उलझा व्यक्ति अन्य से सहज, शालीन और शिष्ट व्यवहार करने में अपनी हेठी समझता है।

उसका यह व्यवहार उसे अपने परिजनों, मित्रों, शुभचिंतकों से दूर करता जाता है, बावजूद इसके वह भ्रम पाले रहता है कि उसके प्रभावी व्यक्तित्व के ताप को सहन न कर पाने से वे उसके नजदीक आने से घबराते हैं। ऐसे व्यक्ति को धीरे-धीरे अकेलेपन का शिकार होना पड़ता है।

जबकि 'हम' यानी सबकी निजता का आदर और सम्मान करना, समूह भाव से रहना। खुशी हो या गम,

मिलकर उन्हें साझा करना। हरेक के प्रति समभाव रखना।

सहयोग के लिए तत्पर रहना। हरेक की भावनाओं का सम्मान करना और उनकी राय और सुझाव पर सकारात्मक भाव से सामूहिक विचार-विमर्श कर काम करना। हम की भावना रखने वाले लोगों को समूह के साथ रहने और सामूहिक निर्णय से आनंद की अनुभूति होती है। उनकी दृष्टि सकारात्मक रहती है। वे किसी की कमी पर नुक्ताचीनी करने की जगह उसकी उपलब्धियों-खासियतों की प्रशंसा कर उसे अपनी कमियां दूर करने के लिए प्रेरित करते हैं। जंगल में जगह-जगह बिखरी लकड़ियों की अहमियत तब ज्यादा बढ़ जाती है जब उन्हें इकट्ठा कर गट्ठर बनाया जाता है।

अहं से मुक्त होकर ही हम गट्ठर की भांति संगठित हो पाते हैं और सामूहिकता में अपनत्व और आत्मीयता का अनुभव होता है। सुख-दुख साझा करते हैं, समस्याओं का निस्तारण सुगमता से कर पाते हैं। 'हम' प्रवृत्ति के व्यक्ति स्वाभिमानी होते हैं, किंतु अभिमानी नहीं। अपने स्वाभिमान के साथ ही वे दूसरों के स्वाभिमान का सम्मान करते हुए उनके प्रति सहज, सौम्य और शालीन व्यवहार करते हैं। मगर अहं में उलझा व्यक्ति अभिमानी होता है, स्वाभिमानी नहीं। अभिमानी व्यक्ति को दूसरे के स्वाभिमान पर चोट करके अमानुषी तुष्टि मिलती है। ऐसा व्यक्ति स्वयं की रीढ़ की हड्डी तनी रखना चाहता है, लेकिन दूसरों की रीढ़ को रबर की मानते हुए इस दंभ से रहता है कि अन्य सब उसके सामने झुके रहें। जबकि हम वृत्ति का व्यक्ति सबकी रीढ़ की हड्डी तनी हुई देख कर प्रसन्न होता है। अहं और अभिमान से मुक्त होकर हम 'वसुधैव कुटुंबकम्' के भावों से ओतप्रोत सभी धर्म, मजहब, संप्रदायों का सम्मान करते हुए आपस में भाईचारा, प्रेमभाव, सौहार्द, सद्भाव से सबके स्वाभिमान की रक्षा करते हुए स्वाभिमान के साथ रहें, हम वृत्ति के व्यक्ति इस पर अमल करने की पूरी कोशिश करते हुए यह कामना करते रहते हैं कि हम भाव का विस्तार हो और सभी स्वाभिमान से जिएं और सबको स्वाभिमान से जीने दें।

विकास की चमक और प्रदूषित जल का अंधेरा, एक सामूहिक आत्मघात

भारत आज दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है। आर्थिक प्रगति, आधारभूत संरचनाओं के विस्तार और तकनीकी विकास के दावे हर मंच पर किए जा रहे हैं। मगर इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक कड़वी आंतरिक सच्चाई भी छिपी है और वह यह कि मानव जीवन के लिए सबसे आवश्यक पेयजल की उपलब्धता और गुणवत्ता लगातार बदतर होती जा रही है।

यह विडंबना ही है कि जिस देश ने विकास की ऊंचाइयों को छूने का संकल्प लिया है, वह स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल के मामले में वैश्विक स्तर पर निचले पायदान पर फिसलता जा रहा है।

कुछ समय पहले मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में प्रदूषित पेयजल आपूर्ति के कारण कई लोगों की असमय मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया। इसके तुरंत बाद गुजरात के गांधीनगर में प्रदूषित पानी से टाइफाइड फैलने की घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी।

यह समस्या केवल एक-दो शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में पेयजल की स्थिति गंभीर और चिंताजनक बनी हुई है। 'वर्ल्ड पापुलेशन रिव्यू' की स्वच्छ जल रैंकिंग- 2025 में 172 देशों की सूची में भारत 138वें स्थान पर है। वर्ष 2013 के बाद से देश की पेयजल गुणवत्ता में निरंतर गिरावट दर्ज की जा रही है। बढ़ती जनसंख्या के साथ विकास का कथित माडल आज स्वच्छ जीवन के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है।

रासायनिक औद्योगिक अपशिष्ट, चिकित्सीय कचरा और सीवेज का गंदा पानी बिना समुचित शोधन के नदियों और दूसरे जलस्रोतों में सीधे छोड़ा जा रहा है। खेती, उद्योग और शहरी आबादी द्वारा पारंपरिक जलस्रोतों का अत्यधिक दोहन किया जा रहा है। बदले में उन्हीं स्रोतों में प्रदूषित जल प्रवाहित कर दिया जाता है। यह स्थिति किसी सामूहिक आत्मघात से कम नहीं है। कभी कल-कल बहने वाली नदियां आज गंदे नालों में तब्दील हो चुकी हैं।

जो नदियां धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक पहचान का केंद्र थीं, वे गर्मियों में बदहाल दिखाई देती हैं। यही नदियां किनारों पर बसे शहरों और गांवों की आबादी को पेयजल उपलब्ध कराती हैं। ऐसे में मानव दूषित जल को शुद्ध करने के प्रयास में कमजोर पड़ता जा रहा है और अंततः जीवन से हारने लगता है। दूसरी ओर छोटी और स्थानीय नदियां अब बरसाती नालों के रूप में पहचानी जाने लगी हैं।

जल प्रदूषण नियंत्रण एवं रोकथाम अधिनियम 1974 और अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम 1969 जैसे कानून आज केवल कानूनी पुस्तकों तक सीमित होकर रह गए हैं। देश का लगभग सत्तर फीसद जल किसी न किसी रूप में प्रदूषित हो चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रपट बताती है कि भारत में संक्रामक बीमारियों का पांचवां सबसे बड़ा कारण प्रदूषित जल है। केवल अतिसार से ही देश में प्रतिवर्ष लगभग पांच लाख बच्चों की मृत्यु हो जाती है, जबकि दो लाख से अधिक वयस्क गंदे पानी से होने वाली बीमारियों के कारण अपनी जान गंवा देते हैं।

देश की लगभग साठ करोड़ आबादी प्रतिदिन पानी की व्यवस्था करने के लिए संघर्ष कर रही है। उन्हें जैसा भी पानी उपलब्ध होता है, उसकी गुणवत्ता की परवाह किए बगैर वह उसे पीने और दैनिक उपयोग में लाने के लिए मजबूर हैं। 'इंटरनेशनल सेंटर फार सस्टेनेबिलिटी' की रपट के अनुसार वर्ष 2030 तक भारत में पानी की मांग वर्तमान से दोगुनी हो जाएगी। आज स्थिति यह है कि विश्व के कुल शुद्ध जल का केवल चार फीसद हिस्सा भारत के पास है, जबकि दुनिया की लगभग सत्रह फीसद जनसंख्या का बोझ कंधों पर है। बढ़ती जनसंख्या, अव्यवस्थित शहरीकरण और जल संरचनाओं पर अतिक्रमण भविष्य के लिए गंभीर खतरे के संकेत हैं। दुर्भाग्यवश, इस विषय पर गहन और ईमानदार चिंतन के बजाय जिम्मेदार संस्थाएं केवल सतही उपायों तक सीमित रह जाती हैं। नमामि गंगे जैसी महत्त्वाकांक्षी परियोजनाएं गंगा और उसकी

सहायक नदियों को प्रदूषण मुक्त करने के उद्देश्य से शुरू की गईं, लेकिन अपेक्षित परिणाम आज भी दूर हैं। वर्ष 2017 में नई दिल्ली में आयोजित नदी दिवस पर नदियों के संरक्षण पर बड़ी बातें हुईं, लेकिन आठ वर्षों में वह जमीन पर उतरती नहीं दिखीं।

देश की सबसे बड़ी नदी जोड़ो परियोजना 'बेतवा-केन लिंक' का उदाहरण भी चिंताजनक है। मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में बेतवा का उद्गम स्थल पिछले वर्ष गर्मी में सूख गया, लेकिन यह नदी शहरी नालों और औद्योगिक अपशिष्ट के सहारे किसी तरह अपना अस्तित्व बनाए रखने को विवश रही। नदी की दुर्दशा और 'केन-बेतवा लिंक' के भविष्य को लेकर नागरिक चिंतित हो उठे, लेकिन जिम्मेदार जब जागे, तब मानसूनी बारिश ने इसे पुनर्जीवित कर दिया।

मगर वास्तविकता यह है कि आसपास के पांच सौ एकड़ में फैसे जंगलों के विनाश और अनियंत्रित निर्माण ने भविष्य में ऐसे संकट को स्थायी बना दिया है। इन परिस्थितियों में बेतवा और केन का भविष्य में मिलन अभी भी पहेली से कम नही है। पहाड़ी और जंगली नदियां उत्खनन और वनों की अंधाधुंध कटाई के कारण पहले ही अपना अस्तित्व खो चुकी हैं। शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए केंद्र सरकार द्वारा योजनाएं शुरू की गईं। इनका उद्देश्य गंदे पानी का प्रबंधन कर सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करना था।

मगर स्थानीय नगर निकायों द्वारा योजनाओं का क्रियान्वयन अपनी सुविधा और सीमित क्षमता के अनुसार किया गया। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में लोगों की मौत इसका भयावह उदाहरण हैं, जहां पेयजल पाइपलाइन को नाले के नीचे से निकाला गया। घटिया गुणवत्ता की पाइपलाइन में रिसाव के कारण लोग लंबे समय तक दूषित पानी पीते रहे थे। देश के ग्रामीण इलाकों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत घर-घर नल जल योजना लागू की गई, जो मुख्यतः भूमिगत जल स्रोतों पर आधारित है। मगर इस योजना में जल की गुणवत्ता परीक्षण पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। कई स्थानों पर सूखे या कम जल देने वाले नलकूपों से ही आपूर्ति की जा रही है।

जहां पानी उपलब्ध है, वहां नाइट्रेट, फ्लोराइड, आर्सेनिक, आयरन, क्लोराइड और ईकोलाई जैसे घातक तत्त्व और जीवाणु पाए जा रहे हैं। जल जीवन आकलन की रपट के अनुसार अकेले मध्यप्रदेश में ही ग्रामीण पेयजल के 36.7 फीसद नमूने चिंताजनक गुणवत्ता वाले पाए गए हैं। देशभर में आपूर्ति किए जाने वाले कुल जल का लगभग एक-तिहाई हिस्सा पेयजल मानकों पर खरा नहीं उतरता। निजी और सरकारी स्तर पर विकसित आवासीय कालोनियों में भी जल परीक्षण की अनिवार्यता न होने से नागरिक अनजाने में प्रदूषित पानी का उपयोग कर रहे हैं। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा और अहमदाबाद जैसे शहरों में इसके कई उदाहरण सामने आ चुके हैं। शुद्ध पेयजल भले ही जीवन के अधिकार का हिस्सा हो, लेकिन इसकी जिम्मेदारी लेने से सरकारी और निजी एजंसियां प्रायः बचती रही हैं। लापरवाही के मामलों में सख्त सजा के अभाव में प्रशासन भी इसे गंभीरता से नहीं लेता।

आज आवश्यकता है ईमानदार आत्ममंथन की, जल स्रोतों को प्रदूषण मुक्त रखने, योजनाओं के वास्तविक और गुणवत्ता-आधारित क्रियान्वयन तथा जवाबदेही तय करने की। यदि अब भी समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो विकास के तमाम दावे प्रदूषित पानी में डूब कर रह जाएंगे।

महाशिवरात्रि पर गूंजा 'ॐ नमः शिवाय' शिव मंदिर परिसर में हुआ भव्य आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। क्षेत्र के चक ठाकुरराम गांव निवासी केडी मिश्रा के आवास पर स्थित शिव मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि पर्व श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक रूप से 'ॐ नमः शिवाय' का जप किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। भगवान शिव का विधि-विधान से पूजा अर्चना किया गया।पूरे क्षेत्र में 'ॐ नमः शिवाय' के जयकारों से माहौल शिवमय बना रहा।कार्यक्रम में केडी मिश्रा, बीडी मिश्रा, शिव बाबू मिश्रा, कृपाशंकर मिश्रा, हिमांशु मिश्रा एवं हरिओम शुक्ला सहित क्षेत्र के अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजकों के डी मिश्रा ने बताया कि महाशिवरात्रि पर हर वर्ष इसी प्रकार धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिससे क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण बना रहता है।

शिवरात्रि के महापर्व पर माघ मेला में मण्डल स्तरीय खादी व ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में श्रद्धालुओं का जन सैलाब

मण्डल स्तरीय खादी तथा ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में आज भव्य खादी फैशन शो का आयोजन के साथ प्रदर्शनी का समापन का कार्यक्रम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शिवरात्रि महापर्व पर को जहां लाखों श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं वही उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा परेड ग्राउण्ड त्रिवेणी रोड प्रयागराज में आयोजित मण्डल स्तरीय खादी तथा ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखी जा रही है।

जिला/परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी जवाहर लाल ने बताया कि माघ मेला 2026 में लगाए गए प्रदर्शनी का 16 फरवरी 2026 को समापन होगा इसके साथ ही समापन के पहले फैशन शो का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेश से आए मॉडलों द्वारा फैशन शो का प्रदर्शन किया जाएगा। खादी की पारम्परिक कला एवं शिल्प को प्रदर्शित करने एवं खादी उत्पादों को और लोकप्रिय बनाने के लिए खादी फैशन शो का अयोजन किया जा रहा है, जिसमें खादी परिधान में मॉडल रैंप वॉक करके प्रस्तुति करेंगे, खादी की आधुनिक परिधानों को अलग अलग समूह में प्रस्तुति किया जाएगा। फैशन शो का निर्देशन अरविंद यादव एवं उनकी टीम द्वारा आयोजित होगा, इसमे 20 मॉडल के साथ कोरियोग्राफर आकांक्षा वर्मा के साथ प्रसिद्ध कॉस्ट्यूम डिजायनर अनुज कपूर हिस्सा लेंगे, यह कार्यक्रम शाम 06 बजे से शुरू होगा। प्रदर्शनी में खादी संस्थाओं एवं ग्रामोद्योगी इकाईयों हेतु कुल 210 स्टाल बनवाये गये है, जिसमें ग्रामोद्योगी इकाईयां अपने उत्कृष्ट उत्पादों व वस्तुओं की बिक्री एवं प्रदर्शन हेतु प्रतिभाग करती हैं, जिसमें प्रदेश एवं अन्य प्रदेशों जैसे झारखण्ड, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, एवं उत्तराखण्ड आदि राज्यों की खादी संस्थाओं द्वारा खादी के वस्त्र जैसे-कटिया, रेशम, पोली खादी, सूती व ऊनी वस्त्रों एवं अन्य परिधानों की बिक्री की जा रही, इसके साथ प्रदर्शनी में खादी तथा ग्रामोद्योग की बिक्री अब तक 10 करोड़ 75 लाख तक पहुंच चुकी है। इस मौके पर कार्यक्रम में जवाहर लाल जिला/परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी मौजूद थे । मंच का संचालन राकेश मोहन गुप्ता, ज्येष्ठ लेखा परिक्षक इस अवसर पर सुनील कुमार, महेन्द कुशवाहा, आशीष यादव, अनुज द्विवेदी, राम लाल, दिनेश दुबे, अमित कुमार, आशुतोष कुमार, हिमांशु यादव, शुभम सिंह आदि उपस्थित रहे ।

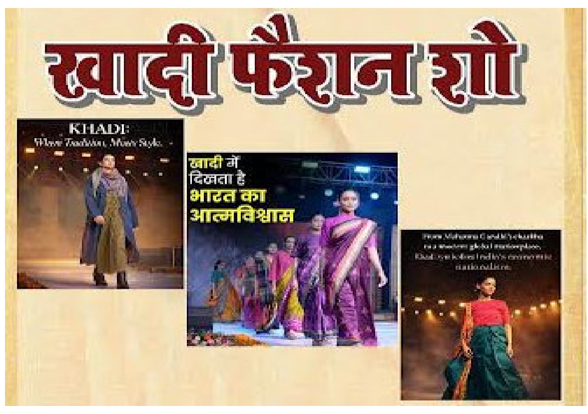

प्रयाग महिला विद्यापीठ डिग्री कॉलेज प्रबंधन समिति का चुनाव निर्विरोध संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रयाग महिला विद्यापीठ डिग्री कॉलेज की प्रबंधन समिति का चुनाव रविवार को संस्थान के साउथ मलाका स्थित भवन में शांतिपूर्ण एवं निर्विरोध ढंग से संपन्न हुआ। चुनाव प्रक्रिया सौहार्दपूर्ण वातावरण में पूरी की गई। चुनाव में प्रोफेसर भोलानाथ मिश्र को प्रमुख, आनंद प्रकाश पांडे को अध्यक्ष, डॉ. मंजरी शुक्ल को उपाध्यक्ष, परमानंद मिश्रा को कोषाध्यक्ष तथा चंद्रकांत पांडे को प्रबंधक/सचिव पद पर निर्विरोध चुना गया। सभी पदाधिकारियों के चयन की घोषणा होते ही उपस्थित सदस्यों ने उनका स्वागत किया।इस अवसर पर प्रबंधन समिति के दस सदस्यों का भी मनोनयन किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संस्थान की शैक्षिक गुणवत्ता को और सुदृढ़ करने तथा छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। चुनाव अधिकारी डॉ मुरारजी त्रिपाठी प्रधानाचार्य की उपस्थिति में संपन्न हुआ उक्त जानकारी प्रबंधक चंद्रकांत पांडे एवं संजीव कांत पांडे ने संयुक्त रूप से दी।

तृतीय राज्यस्तरीय शिक्षक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। तृतीय राज्यस्तरीय शिक्षक खेलकूद प्रतियोगित का आयोजन नेशनल इंटर कॉलेज हडिया प्रयागराज उत्तर प्रदेश में सपन्न हुआ जिसमें वालीबॉल में वाराणसी ने भदोही को 21-10 21-11से जीता भदोही के चंद्रकांत पटाव ने प्रतापगढ़ संजीत को 21-13, 21-17 से हराया डबल में भदोह संजीत और राहुल ने मीरजापुर के शैलेन्द्र नारायण और अरविंद को 21-8, 21-5 से हराया एथलेटिक्स में वाराणसी की मनीषा सिंह अपने एज ग्रुप में 200 मी और बैडमिंटन में गोल्ड जीता। प्रयागराज बेसिक की अध्यापिका पूनम गुप्ता ने 100 मी 200 मी रेस में गोल्ड जीता। 800 चंचल मौर्य गोल्ड जीता शर्टपुट अमित कुमार सिंह डिस्कस में भदोही के सूर्यकांत मौर्य प्रथम स्थान संजीत प्रतापगढ़ ने 100, 200 मी गोल्ड जीता। क्रिकेट के फाइनल में प्रतापगढ़ ने प्रयागराज को 87 रन से हरा कर ट्रॉफी पर कब्जा किया एवं अखिल भारतीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के राष्ट्रीय प्रभारी श्रवण कुमार ने बताया कि उपरोक्त प्रतियोगिता में वाराणसी, जौनपुर, भदोही, चंदौली, प्रयागराज, आजमगढ़, प्रतापगढ़, मीरजापुर, के बेसिक, इंटर कॉलेज, विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रतिभाग किए जिसमें मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष माननीय डॉ बी के सिंह एवं विशिष्ट अतिथि योगेश त्यागी प्रदेश अध्यक्ष जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ नरेश कौशिक प्रदेश महामंत्री जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ सुभाष सिंह चौहान महामंत्री आखिर भारतीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ पीयूष जैन नेशनल सेक्रेट्री ईंइंघ इंडिया आयोजक अजय कुमार मिश्रा ने सभी जिले के शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभ कामनाएं दिए।

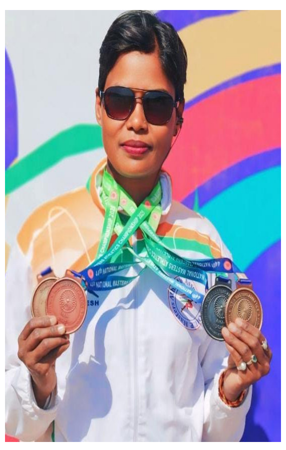

स्वामी शाडिल्य महराज ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की विजय के लिए किया पूजा-अर्चना

प्रयागराज। टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप में एक बार फिर क्रिकेट का सबसे बड़ा महामुकाबला होने जा रहा है, जहां भारत का सामना चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से कोलंबो मे होने जा रहा है। टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया पाकिस्तान को अब तक सात बार मात दे चुकी है, और अब भारतीय टीम आठवीं बार पाकिस्तान को धूल चटाने के इरादे से मैदान में उतरेगी। श्रीलंका के कोलम्बो मैदान में होने वाले इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर देशभर में जबरदस्त उत्साह है और टीम इंडिया की जीत के लिए दुआओं और प्रार्थनाओं का दौर जारी है।संगम नगरी प्रयागराज में भी भारत की विजय की कामना को लेकर विशेष महारूद्राभिषेक पूजन का आयोजन किया गया। श्रृंगवेरपुर धाम के जगदगुरू नारायणाचार्य स्वामी शांडिल्य जी महाराज ने वेदपाठी बटुकों के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष अनुष्ठान आज किया। इस दौरान शिष्य पोस्टर, तिरंगा हाथ में लेकर भारत की जीत की प्रार्थना की। जगदगुरू नारायणाचार्य स्वामी शांडिल्य जी महाराज ने मां गंगा से कामना की कि टीम इंडिया पाकिस्तान के खिलाफ एक और ऐतिहासिक जीत दर्ज करे और देश का गौरव बढ़ाए।

महाशिवरात्रि पर पांडेश्वर नाथ धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

लाखों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। महाशिवरात्रि पर्व पर क्षेत्र के प्रसिद्ध पांडेश्वर नाथ धाम पण्डिला महादेव मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। भोर में महाआरती के उपरांत सुबह चार बजे मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इसके साथ ही पूरा क्षेत्र 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गुंजायमान हो उठा।सुबह से ही मंदिर परिसर और मुख्य मार्ग पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। स्थिति यह रही कि मंदिर से काफी दूर तक भक्तों की लाइनें लगी रहीं। श्रद्धालु गंगाजल, धतूरा, मदार, भांग, शहद, बेलपत्र और शमीपत्र लेकर बाबा भोलेनाथ का विधि-विधान से पूजन-अर्चन करते नजर आए। भक्तों ने पूरे श्रद्धा भाव से जलाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।

मंदिर परिसर में दिनभर धार्मिक अनुष्ठानों और भजन-कीर्तन का आयोजन होता रहा। पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष पूजन संपन्न कराया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्वयंसेवकों थरवई पुलिस कतारबद्ध दर्शन की व्यवस्था संभाली। महाशिवरात्रि के अवसर पर प्रयागराज के अलावा कौशांबी, भदोही, जौनपुर तथा प्रतापगढ़ सहित दूरदराज क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। अनुमान है कि दिनभर में लाखों की संख्या में भक्तों ने जलाभिषेक किया।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा सुरक्षा और यातायात की समुचित व्यवस्था की गई थी। मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात रहा। देर शाम तक श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी रहा और पूरा वातावरण शिवमय बना रहा। मौके पर डीसी पी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत सहित तमाम अन्य प्रशासनिक अधिकारी डटे रहे।

श्री रुद्र महायज्ञ, राजराजेश्वरी महाआराधना महोत्सव की पुर्णाहुति आज

शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महराज के चित्रकूट के मडफा फोर्ट आश्रम में चल रहा कार्यक्रम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज / चित्रकूट। पुरी पीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महराज का चित्रकूट के मडफा फोर्ट में आश्रम का निर्माण चल रहा है। आठवें दिन रविवार को श्री रुद्र महायज्ञ एवं राजराजेश्वरी महाआराधना महोत्सव का कार्यक्रम जारी रहा । इस दौरान भारी संख्या में क्षेत्रीय लोग शामिल हुए और अखंड भंडारा में प्रसाद लिया।

पुरी पीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महराज ने बताया कि श्री रुद्र महायज्ञ और राजराजेश्वरी महाआराधना महोत्सव कार्यक्रम का सोमवार को पुर्णाहुति होगी।

पुरी पीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महराज ने बताया कि देश के कोने- कोने से बडी संख्या में जनप्रतिनिधियों और शिष्यों का आना जारी है, जो श्री रुद्र महायज्ञ एवं राजराजेश्वरी महा आराधना महोत्सव में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण कर रहे है। उन्होंने बताया कि आसपास के बडी संख्या में शिष्य प्रतिदिन श्री रुद्र महायज्ञ, राजराजेश्वरी महाआराधना महोत्सव में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण कर रहे है।

पुरी पीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महराज ने बताया कि श्री रुद्र महायज्ञ, राजराजेश्वरी महाआराधना महोत्सव कार्यक्रम में आज बलराज नुने केन्द्रीय समन्वयक भाजपा राष्ट्रीय प्रभारी, (सरल) नई दिल्ली, पूर्वमंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, राज्य सूचना आयुक्त उत्तर प्रदेश पद्मुम नारायण द्विवेदी, पवन कुमार पाण्डेय सदस्य स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार, राजा कुन्दन सिंह प्रतापगढ सहित अन्य प्रमुख लोगों ने चरणपादु का पूजन कर शंकराचार्य जी महाराज का आशिर्वाद प्राप्त किया।

पुरी पीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महराज ने बताया कि श्री रुद्र महायज्ञ, राजराजेश्वरी महाआराधना महोत्सव कार्यक्रम की पूर्णाहुति सोमवार को है जिसमें देश के कोने - कोने से बडी संख्या मे शिष्य परिवार सहित शामिल होगे।

एमएनएनआईटी का 56वां वार्षिक एथलेटिक मीट का हुआ समापन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) इलाहाबाद में 56वीं वार्षिक एथलेटिक मीट 2026 का समापन अत्यंत उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। तीन दिवसीय इस खेल महोत्सव में छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा स्टाफ वाड्र्स ने सक्रिय भागीदारी की।

ट्रैक स्पर्धाओं में 1500 मीटर, 3000 मीटर और 5000 मीटर पुरुष वर्ग में आदित्य यादव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। 800 मीटर पुरुष वर्ग में दीपक तथा महिला वर्ग में सुप्रिया यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्प्रिंट स्पर्धाओं में 200 मीटर और 400 मीटर पुरुष वर्ग में मृण्मय बाउरी विजेता रहे, जबकि 200 मीटर महिला वर्ग में हर्षिका चौधरी और 400 मीटर में प्रज्ञा अग्रवाल ने प्रथम स्थान हासिल किया।

फील्ड स्पर्धाओं में हाई जंप और लॉन्ग जंप पुरुष वर्ग में एलन के. बिजू ने शानदार प्रदर्शन किया। शॉट पुट, डिस्कस और जैवलिन में भी प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट कौशल दिखाया। रिले दौड़ों में 4-100 मीटर महिला टीम तथा 4-400 मीटर और 4-100 मीटर पुरुष टीमों ने प्रभावशाली प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। विशेष स्पर्धाओं में नॉन-टीचिंग स्टाफ, स्टाफ वाड्र्स तथा अनौपचारिक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिला वर्ग का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार हर्षिका चौधरी एवं सुप्रिया यादव को संयुक्त रूप से तथा पुरुष वर्ग का पुरस्कार मृण्मय बाउरी एवं आदित्य यादव को प्रदान किया गया।

समापन समारोह की मुख्य अतिथि भारत अंडर-19 महिला विश्व कप 2023 की प्रतिभागी सुश्री फलक नाज़ रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को खेलों को अपनाने और अनुशासित जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर एम एम गोरे ने मुख्य अतिथि सुश्री फलक नाज़ को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया तथा सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए मेडल तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। छात्र क्रियाकलाप केंद्र के अध्यक्ष प्रोफेसर सुशील कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उत्साह वर्धन किया।

जोगी बने पति, प्रतीक्षा बनी नियति मंच पर जीवंत हुई सावित्री की पीड़ा

बीआरएम के समापन पर स्त्री विमर्श की मार्मिक प्रस्तुति ने दर्शकों को झकझोरा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। हिंदी रंगमंच में आजकल बहुत कम ऐसे नाटक देखने को मिलते हैं जिनकी प्रस्तुति हर पैमाने पर पूरी तरह खरी उतरती हो और जिनमें कथ्य, संवाद, अभिनय और निर्देशन का सधा हुआ कसाव दिखाई दे। किसी नाटक की सफलता केवल निर्देशक पर निर्भर नहीं करती, बल्कि कलाकारों के सशक्त अभिनय और सटीक संवादों की भी उसमें अहम भूमिका होती है।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय एवं उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भारत रंग महोत्सव के समापन अवसर पर रविवार को विजय पंडित द्वारा लिखित नाटक 'जोगिया राग' का मंचन देवेन्द्र राज अंकुर के निर्देशन में केंद्र प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महापौर उमेश चन्द्र गणेश चन्द्र केसरवानी एवं केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विजय पंडित का यह नाटक एक ग्रामीण स्त्री के जीवन में गृहस्थ कामना की पुकार की कथा है। सावित्री नामक एक स्त्री अपने वैवाहिक जीवन को जीना चाहती है, लेकिन उसका ब्राह्मण पति बालमुकुंद तिवारी 'जोगी' बनकर घर छोड़ देता है। सावित्री पंद्रह वर्षों तक उसके लौटने की प्रतीक्षा करती है और अधूरा जीवन जीती रहती है। इस दौरान समाज और बिरादरी उस पर विधवा जीवन स्वीकार करने का दबाव डालते हैं, किंतु वह अपने पति के जीवित होने के विश्वास को नहीं छोड़ती। नाटक में निधि मिश्रा एवं मुक्तिदास ने अपने उत्कृष्ट अभिनय से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर नाट्य निर्देशक देवेन्द्र राज अंकुर, कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय, उपनिदेशक (कार्यक्रम) डॉ. मुकेश उपाध्याय तथा वरिष्ठ रंगकर्मी अमिताभ श्रीवास्तव, मनोज कुमार, एस. मलतियार व विजय पंडित केंद्र निदेशक द्वारा स्मृति-चिन्ह एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की प्रथम कड़ी में 'बड़े भाई साहब' नाटक पर शैलेन्द्र मधुर एवं दिलीप तिवारी ने वार्ता प्रस्तुत की।

महाशिवरात्रि पर महात्मा गौतम बुद्ध सेवा संस्थान ने किया भव्य प्रसाद वितरण

मंत्र भारत संवाददाता

नैनी। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर महात्मा गौतम बुद्ध सेवा संस्थान के सचिव शैलेन्द्र कुमार के नेतृत्व में नैनी क्षेत्र में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य श्रद्धालुओं की सेवा करना एवं सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना रहा। नैनी में आयोजित इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। संस्था के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था संभालते हुए श्रद्धालुओं को सुव्यवस्थित रूप से प्रसाद उपलब्ध कराया। संस्थान के सचिव शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि संस्था समय-समय पर सामाजिक एवं धार्मिक अवसरों पर जनसेवा के कार्य करती रहती है और भविष्य में भी इसी प्रकार समाज हित में कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम में सहयोग के रूप में डॉ. रवि मौर्य, प्रवीण कुमार तथा धीरज, ज्ञान चन्द्र, ओम शंकर आदि की विशेष उपस्थिति रही। सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

धूमधाम से निकली त्रिशूल भगवान की शोभायात्रा शिव बारात संग

हिंदू शौर्य एकता का प्रकटीकरण त्रिशूल भगवान की दर्शन शोभा यात्रा : शिव सेना भारत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नारी शक्ति का प्रेरणा प्रेरक रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, रानी झलकारी बाई, रानी चेन्नामा, रानी पद्मिनी और जीजा बाई, अश्व पर सवार होकर हाथों में तलवार लेकर निकली शिव सेना भारत के तत्वाधान में श्री वेद रक्षित धर्मगुरु त्रिशूल भगवान की दर्शन शोभा यात्रा भव्यता के साथ परंपरागत तरीके से प्रांतीय अध्यक्ष अध्यक्ष ठाकुर एवं महामंत्री राजेश केसरवानी के नेतृत्व में हरिहरनाथ महादेव मंदिर हर्षवर्धन नगर मीरापुर से निकाली गई।

इस अवसर पर विधि विधान पूर्वक रूद्राभिषेक किया गया। शोभा यात्रा का शुभारंभ श्री वेद रक्षित धर्मगुरु त्रिशूल भगवान महाआरती कर संरक्षक धर्मेंद्र कुमार भैया जी, भाजपा नेता कुमार नारायण एवं सैफुल अब्बास अधिवक्ता सुशील जैन, ने यात्रा को आगे बढ़ाया इस अवसर पर जय शिव सेना भारत के प्रांतीय अध्यक्ष अभिषेक ठाकुर एवं महामंत्री राजेश केसरवानी ने कहा कि वेद रक्षित धर्मगुरु त्रिशूल भगवान की दर्शन शोभा यात्रा हिंदू शौर्य एकता का प्रकटीकरण है जिस पर आज हिंदू समाज को गर्व की अनुभूति होती हैं।

शोभा यात्रा में आगे आगे गणेश भगवान, खाटू श्याम, हनुमान जी महाराज, महाकाल, एवं महाकाली की मनोहरी झांकी, डीजे, ब्रास बैंड, विजय ध्वज पताका के साथ नारी शक्ति का प्रेरणा प्रेरक रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, रानी झलकारी बाई, रानी चेन्नामा, रानी पद्मिनी और जीजा बाई, अश्व पर सवार होकर हाथों में तलवार लेकर निकली शोभायात्रा में मुट्ठीगंज एवं करेला बाग गढी कला की यात्रा शामिल हुई। शोभा यात्रा निर्धारित मार्ग हरिहरनाथ महादेव मंदिर मीरापुर से अतरसुइया, रानी मंडी, लोकनाथ, बहादुर गंज, रामभवन, मुट्ठीगंज, बांस मंडी, बलुवाघाट, दरियाबाद, से होते हुए ललिता देवी मंदिर मीरापुर पर पहुंच कर आरती पूजन कर संपन्न हुई। शोभा यात्रा के संयोजक जिला अध्यक्ष रजत सोनकर एवं महानगर अध्यक्ष मोनू सेठ रहे संचालन आलोक केसरवानी। इस अवसर महिला अध्यक्ष रचना वर्मा, मंजूषा सिंह, सुधा साहू विनीता केसरवानी, दिनेश कनौजिया, सुशील श्रीवास्तव, पूनम चौरसिया, अभिलाष केसरवानी शत्रुघ्न जायसवाल, अजय अग्रहरि, सचिन गुप्ता रतन खरे सुषमा श्रीवास्तव पिंकी कनौजिया संजना सक्सेना तरु यादव सपना सिंह स्मृति श्रीवास्तव कंचन मोर रीता सिंह एवं सैकड़ो महिलाएं उपस्थित रहे।

प्रशासन की पहलः सिख, बंजारा समेत विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों संग चर्चा

गुरु तेगबहादुर साहिब की 350वीं शहादत वर्ष पर भिवंडी में बैठक,

अधिकतम सहभागिता पर जोर

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

'हिंद-दी-चादर' के रूप में विख्यात गुरु तेगबहादुर साहिब की 350वीं शहादत वर्ष के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर भिवंडी में प्रशासन की ओर से विशेष बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सिख, सिकलीगर, बंजारा, लबाना, मोहयाल, सिंधी, वाल्मिकी और भगत नामदेव समाज के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर (आईएएस) के निर्देश और अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में समाज के प्रतिनिधियों से चर्चा की गई। इस दौरान बंजारा समाज के प्रतिनिधि अनिल राठोड और सिख समाज के प्रतिनिधि एडवोकेट बलदेव सिंह सहित कई समाज बंधु

उपस्थित रहे। बैठक में भिवंडी शहर में रहने वाले विभिन्न समाजों के नागरिकों से खारघर में आयोजित होने वाले शहादत वर्ष कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि यह कार्यक्रम सामाजिक सद्भाव और ऐतिहासिक विरासत को सम्मान देने का महत्वपूर्ण अवसर है।इस अवसर पर सहायक आयुक्त एवं प्रभाग अधिकारी गिरीष घोष्टेकर, सहायक आयुक्त एवं प्रभाग अधिकारी सईद चिवणे, एडवोकेट अरविंद राठोड समेत विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि और महिला-पुरुष उपस्थित रहे।

भिवंडी में बाल श्रम पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, होटल और हाथगाड़ी से 3 नाबालिग मुक्त

कम पैसे में ज्यादा काम कराकर शोषण का आरोप, तीन अलग-अलग मामलों में केस दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शहर में बाल श्रम के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए होटल और हाथगाड़ी से तीन नाबालिग बाल श्रमिकों को मुक्त कराया है। कोनगांव और नारपोली पुलिस की अलग-अलग कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया। आरोप है कि बच्चों से कम वेतन में ज्यादा काम कराया जा रहा था, जो कानून का गंभीर उल्लंघन है। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार कोनगांव पुलिस थाना की महिला सिपाही रूपाली जोडगुद्री की शिकायत पर होटल संचालक बबलु कुमार डोमनसाव सिंग (28) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। 13 फरवरी की शाम की गई कार्रवाई में बासुंरी होटल के पास स्थित गुप्ता डोसा होटल में एक नाबालिग को काम पर रखा गया पाया गया। जांच में सामने आया कि उससे कम वेतन देकर अधिक श्रम कराया जा रहा था। वहीं नारपोली पुलिस थाना क्षेत्र में भी दो अलग-अलग मामलों में बाल श्रम का खुलासा हुआ। पुलिस नाइक एस.बी. धोत्रे की शिकायत पर भंडारी कंपाउंड स्थित यूनुस चिकन सेंटर के संचालक मो. यूनुस मो. अली कुरेशी पर 8 वर्षीय नाबालिग से काम कराने का आरोप लगा है। इसके अलावा बालाजी कंपाउंड स्थित वर्मा भोजनालय के मालिक संजय जयकरण वर्मा पर 12 वर्षीय नाबालिग को काम पर रखकर शोषण करने का मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस सुत्रों का कहना है कि यह कार्रवाई बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिबंध एवं विनियमन) अधिनियम तथा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के तहत की गई है। तीनों मामलों में केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और नाबालिग बच्चों को मुक्त कर सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है।

बेटी को अगवा कर पिता से फिरौती की मांग

लाइब्रेरी जाने निकली बेटी को बनाया बंधक, पिता को कॉल कर मांगे पैसे

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां 19 वर्षीय युवती को कथित रूप से अगवा कर उसके पिता से फिरौती मांगने का मामला दर्ज किया गया है। घटना के बाद परिवार में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.शांतीनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार पीड़िता के पिता ने बताया कि 13 फरवरी की सुबह करीब 9:15 बजे उनकी बेटी घर से यह कहकर निकली थी कि वह धामणकर नाका स्थित बी.एन.एन. कॉलेज की लाइब्रेरी जा रही है। आरोप है कि इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने युवती को अपने कब्जे में लेकर पिता से संपर्क किया और पैसों की मांग की। आरोपी ने पैसे न देने पर युवती को जान से मारने की धमकी दी, जिससे परिवार में हड़कंप मच गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस निरीक्षक (प्रशासन) विनोद पाटील मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस तकनीकी साक्ष्यों और कॉल डिटेल्स के जरिए आरोपी तक पहुंचने की कोशिश में जुटी है।

पड़ोसी विवाद बना खूनी झगड़ा, चाकू से हमला, रिक्शा चालक घायल

घर मालिक को भड़काने के आरोप से भड़की हिंसा; चार लोगों पर केस, पुलिस आरोपियों की तलाश में

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर के न्यू आजाद नगर इलाके में पड़ोसियों के बीच चल रहा विवाद शुक्रवार रात हिंसक झड़प में बदल गया। मामूली कहासुनी ने अचानक खूनी रूप ले लिया, जब चार लोगों ने मिलकर एक रिक्शा चालक पर हमला कर दिया। आरोप है कि मारपीट के दौरान चाकू से वार कर उसे घायल किया गया। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार न्यू आजाद नगर, कादरिया मस्जिद के पास रहने वाले रिक्शा चालक उमर गालिफ खान (32) 13 फरवरी 2026 की रात करीब 9:30 बजे काम से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले कुछ लोग घर के बाहर सड़क पर बैठे थे। आरोप है कि उन्होंने उमर पर कमरे के मालिक को उनके खिलाफ भड़काने का आरोप लगाया, जिससे दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई।देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पुलिस के मुताबिक एक आरोपी ने चाकू निकालकर उमर के बाएं हाथ की कलाई पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं दूसरे आरोपी ने उन्हें पकड़कर मुक्कों से मारपीट की, जबकि दो महिलाओं पर गाली-गलौज और मारपीट में सहयोग करने का आरोप है। घटना के बाद घायल उमर की शिकायत पर भिवंडी शहर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 118(1), 115(2), 352 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और पुलिस उनकी तलाश में जुटी है।

राजिम कुंभ कल्प में श्री पंडोखर सरकार के दिव्य दरबार में महिलाओं की गोद भराई, श्रद्धा व आस्था के साथ हुआ समापन

राजिम/गरियाबंद। त्रिकालदर्शी श्री पंडोखर सरकार जी का प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला दिव्य दरबार राजिम कुंभ कल्प में 12, 13 एवं 14 फरवरी 2026 तक भव्य रूप से संपन्न हुआ। दरबार के अंतिम दिन श्रद्धा, आस्था और भावनात्मक वातावरण के बीच कई महिलाओं की गोद भराई का आयोजन किया गया।

समापन अवसर पर श्री पंडोखर सरकार जी ने इस विशाल धार्मिक आयोजन के सफल संपादन हेतु छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विष्णु देव साय, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल सहित सभी साधु-संतों, प्रशासनिक अधिकारियों और आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों को धन्यवाद

देते हुए आशीर्वाद प्रदान किया।

इसके पश्चात संतान प्राप्ति की कामना से आई महिलाओं के लिए विशेष गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अनेक महिलाओं को फल वितरण कर शुभाशीष दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने इसे अत्यंत भावपूर्ण और प्रेरणादायी बताया।

दरबार समाप्ति के बाद श्री पंडोखर सरकार जी दंडी स्वामी के आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने दंडी स्वामी से भेंट की तथा आश्रम में शिष्य मंडल के साथ प्रसाद ग्रहण किया।

श्री पंडोखर सरकार के शिष्य एवं दरबार सदस्य राजीव अवस्थी ने इस सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, गरियाबंद कलेक्टर भगवान दास उइके तथा पूर्व मेला अध्यक्ष प्रताप परख को बधाई एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस दिव्य दरबार के आयोजन में दरबार सदस्य राजीव अवस्थी, विनोद तिवारी, टेकराम साहू, फिजी ग्वालरे, राकेश अग्रवाल, जितेंद्र सोनी, विकास दुबे, अजय सोनी, पंडित चंद्रशेखर तिवारी सहित अनेक शिष्यों एवं सेवाभावियों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

महाशिवरात्रि पर आध्यात्मिक संगम श्री काशी विश्वनाथ धाम में देश-विदेश के मंदिरों से पहुंची 'पावन भेंट'

'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंजी भोले की नगरी

वाराणसी। महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान श्री विश्वेश्वर महादेव के वाराणसी स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में देश-विदेश के 62 मंदिरों से प्राप्त पावन भेंट अर्पित की गईं। उत्तर प्रदेश सरकार के एक बयान के अनुसार, इन भेंटों में पावन वस्त्र, रज और पवित्र जल शामिल हैं। ये भेंट श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, उत्तराखंड के श्री केदारनाथ, मुंबई के लाल बाग राजा और श्री सिद्धिविनायक मंदिर, गुजरात के द्वारकाधीश मंदिर, राजस्थान के नाथद्वारा मंदिर और श्रीलंका के लक्ष्मी मंदिर से आई हैं। मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विश्व भूषण मिश्रा ने रविवार को बताया कि दुनिया भर के 62 प्रमुख मंदिरों से भोग और वस्त्र प्राप्त हुए हैं। मिश्रा ने बताया कि श्रीलंका के अलावा मलेशिया से भी भेंट आई हैं। उन्होंने बताया कि यह परंपरा इसी वर्ष से शुरू की गई है। बयान में कहा गया है कि इस पहल का उद्देश्य 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को साकार करते हुए संपूर्ण सनातन समाज को एकजुट करना और वैश्विक आध्यात्मिक एकता को मजबूत करना है।

भारत सद्भावना और सामाजिक सामंजस्य का वैश्विक केंद्र है : प्रमुख मोहन भगवत

गोरखपुर **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भगवत ने भारत को सद्भावना और सामाजिक सामंजस्य का वैश्विक केंद्र बताते हुए रविवार को जोर देकर कहा कि देश की सभ्यतागत विचारधारा लेन-देन वाले संबंधों के बजाय एकता और आपसी जुड़ाव की भावना पर आधारित है। आरएसएस के मीडिया प्रकोष्ठ ने यह जानकारी दी। आरएसएस के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ सभागार में आयोजित 'सामाजिक सद्भाव' सम्मेलन को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि समाज की पहचान परस्पर जुड़ाव से होती है, न कि स्वार्थ से।

उन्होंने कहा, 'कई देशों में रिश्तों को लेन-देन के रूप में देखा जाता है। हमारे देश में मानवीय रिश्ते अपनेपन की भावना पर आधारित हैं।' भारत की विविधता पर प्रकाश डालते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा, 'हम भारत को अपनी माता मानते हैं। वही दिव्य चेतना हम सब में निवास करती है। यही बंधन हमें हमारी भिन्न-भिन्न पहचानों के बावजूद एकजुट रखता है।' उन्होंने कहा कि समाज को कायम रखने के लिए केवल कानून लागू करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सामाजिक सद्भाव भी आवश्यक है। आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि यह उपलब्धि जश्न मनाने का नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण का विषय है।

उन्होंने सामाजिक एकता को मजबूत करने के लिए साल में दो से तीन बार खंड विकास स्तर की बैठकें आयोजित करने का आह्वान किया और समुदायों से जातिगत सरोकारों से परे व्यापक हिंदू समाज के लिए काम करने का आग्रह किया। भागवत ने कहा, 'समाज को स्वयं कार्रवाई करनी होगी। संघ सहायता करेगा, लेकिन जिम्मेदारी समाज की है।' उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने हमेशा स्वार्थहीन भाव से संकट के समय अन्य देशों की सहायता की है। बैठक के दौरान विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार साझा किए। बाद में भागवत ने उनके साथ सामुदायिक भोज में भाग लिया।

कांग्रेस विधायक के रिश्तेदारों की गुंडई! मौलाना को पीटा, आरोप- मुस्लिमों पर अत्याचार कर रहा विधायक आरिफ मसूद, गिरफ्तारी की मांग तेज

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के रिश्तेदारों पर मारपीट और दबंगई के गंभीर आरोप लगे हैं। मामला जहांगीराबाद थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है, जहां विधायक के साले रिजवान और भांजे एहतिशाम सहित अन्य लोगों पर एक मौलाना के साथ कथित रूप से मारपीट करने का आरोप है।

जानकारी के अनुसार, मौलाना ने हाल ही में बुरहानपुर में दिए गए एक बयान पर प्रतिक्रिया दी थी, जिससे कथित तौर पर विधायक पक्ष नाराज था। आरोप है कि इसी बात को लेकर जहांगीराबाद थाने के सामने करीब एक दर्जन लोगों ने मौलाना के साथ मारपीट की। घटना के बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। इस मामले में आल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी ने विधायक आरिफ मसूद के खिलाफ शिकायत करते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग की है। कमेटी के अध्यक्ष शमशुल हसन ने आरोप लगाया कि विधायक मुस्लिम समुदाय के हितैषी नहीं हैं और समुदाय के खिलाफ कार्य कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आधिकारिक तौर पर विधायक या उनके परिजनों की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है। घटना ने राजधानी की राजनीति में हलचल तेज कर दी है और इसे लेकर सियासी बयानबाजी भी शुरू हो गई है।

यूपी में टिकट मांगने पर भड़का यात्री, टीटीई पर किया हमला

दूसरे यात्री का दबाया गला, पुलिसवाले को जड़ा थप्पड़

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के हाथरस जिले में एक पैसेंजर ट्रेन में टिकट चेकिंग के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब नशे में धुत एक यात्री ने टीटीई पर हमला कर दिया। घटना के बाद कोच में काफी देर तक हंगामा चलता रहा, जिसे अन्य यात्रियों और रेलवे स्टाफ ने मिलकर काबू किया।

जानकारी के अनुसार, ट्रेन में सफर कर रहा युवक विजित मानोलिया, पुत्र राजेंद्र प्रसाद, निवासी लालकुआं, जिला नैनीताल (उत्तराखंड), बैंगलौर जा रहा था। आरोप है कि देर रात टिकट चेकिंग के दौरान टीटीई द्वारा टिकट मांगे जाने पर युवक ने टिकट दिखाने से इनकार कर दिया और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए अचानक हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जब एक यात्री ने टीटीई को बचाने की कोशिश की तो आरोपी युवक ने उसका गला दबाने का प्रयास किया। स्थिति बिगड़ती देख अन्य यात्रियों और कोच अटेंडेंट ने युवक को पकड़कर ट्रेन के टॉयलेट के पास बैठा दिया।

ट्रेन के हाथरस सिटी रेलवे स्टेशन पर पहुंचते ही टीटीई और यात्रियों ने आरोपी को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के हवाले कर दिया। पूछताछ के दौरान भी युवक का आक्रामक व्यवहार जारी रहा और उसने कथित तौर पर एक आरपीएफ कर्मी को थप्पड़ मार दिया। रेलवे पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ हाथरस सिटी आरपीएफ थाने में सरकारी कर्मचारी पर हमला, मारपीट, गलत तरीके से रोकना, अपमानजनक शब्दों का प्रयोग, धमकी और रेलवे एक्ट की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। युवक का जिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया है। पुलिस का कहना है कि आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

युवक की हत्या कर शव जंगल में फेंका सिर पर गहरी चोट के निशान गांव में लाश मिलने से सनसनी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले की कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत मलीरा गांव के जंगल से रविवार को एक युवक का शव बरामद किया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान संदीप (30) के तौर पर हुई है। पुलिस को संदेह है कि उसकी हत्या कहीं और की गई और शव को यहां फेंक दिया गया।

पुलिस अधीक्षक (शहर) सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने पत्रकारों को बताया, 'शव के सिर पर चोट के निशान हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज गया है।' प्रजापत ने बताया कि आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कई पुलिस टीमें गठित की गई हैं। पुलिस ने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है।

मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं को महाशिवरात्रि 2026 की दी शुभकामनाएं

बोले- साधकों की साधना एवं श्रद्धालुओं के मनोरथ पूर्ण हों

लखनऊ **(एजेंसी)**। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों और देशभर के श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट के माध्यम से संदेश जारी कर भगवान शिव की आराधना और पवित्र स्नान पर्व के महत्व को रेखांकित किया।

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में तीर्थराज प्रयाग की त्रिवेणी संगम पर आस्था की डुबकी लगाने पहुंचे साधु-संतों, धर्माचार्यों, कल्पवासियों और श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि महाशिवरात्रि भगवान शिव की उपासना को समर्पित महापर्व है और इस अवसर पर संगम में स्नान करने वाले सभी साधकों व भक्तों पर देवाधिदेव महादेव एवं पुण्य प्रदायिनी मां गंगा की कृपा बनी रहे। सीएम योगी ने अपने संदेश में प्रार्थना व्यक्त करते हुए कहा कि साधकों की साधना सफल हो और श्रद्धालुओं के मनोरथ पूर्ण हों। अपने संदेश का समापन उन्होंने 'हर हर महादेव' के उद्घोष के साथ किया। महाशिवरात्रि के अवसर पर प्रदेशभर के शिवालयों में विशेष पूजा-अर्चना, जलाभिषेक और रात्रि जागरण के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रयागराज समेत प्रमुख तीर्थ स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। प्रशासन की ओर से सुरक्षा और व्यवस्थाओं के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

टी20 विश्व कप : पिता बनने के लिए घर लौटे लॉकी फर्ग्यूसन, न्यूजीलैंड टीम को लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के दौरान अपनी पत्नी के साथ अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए घर लौट रहे हैं। फर्ग्यूसन का जाना टूर्नामेंट में उनकी वापसी का संकेत नहीं है; अगर न्यूजीलैंड सुपर 8 में पहुंचता है और वह समय पर वापस आ पाते हैं, तो वह उपमहाद्वीप में टीम में फिर से शामिल हो सकते हैं। न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, हालांकि टी20 विश्व कप में उनका पिछला मैच दक्षिण अफ्रीका से हार में समाप्त हुआ था। इसके बावजूद न्यूजीलैंड सुपर 8 में जगह बनाने की दौड़ में बना हुआ है।

फर्ग्यूसन मंगलवार को कनाडा के खिलाफ ग्रुप डी के अंतिम मैच में नहीं खेल पाएंगे - यह मैच अन्य टीमों के परिणामों के आधार पर अगले चरण में उनकी जगह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। न्यूजीलैंड के कोच रॉब वाल्टर ने लॉकी फर्ग्यूसन के अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए घर लौटने के फैसले का समर्थन किया है और कहा है कि टीम को खुशी है कि वह इस खास पल में मौजूद रहेंगे। वाल्टर ने पुष्टि की कि फिलहाल फर्ग्यूसन की जगह किसी और को टीम में शामिल नहीं किया जाएगा और उम्मीद है कि वह सुपर 8 चरण के लिए वापस आ सकते हैं। वहीं, यात्रा कर रहे रिजर्व खिलाड़ी बेन सियर्स और कोल मैककॉन्ची जरूरत पड़ने पर स्टैंडबाय पर रहेंगे।

ब्लैक कैप्स के कोच ने कहा कि यह लॉकी और एम्मा के लिए बेहद खुशी का पल है और हमें खुशी है कि वह इतने खास मौके पर घर पर रहेंगे। फिलहाल, हम लॉकी की जगह किसी और को टीम में शामिल नहीं करेंगे क्योंकि योजना के अनुसार वह टूर्नामेंट के सुपर 8 चरण के लिए वापस लौटेंगे। लेकिन हमारे यात्रा कर रहे रिजर्व खिलाड़ी बेन सियर्स और कोल मैककॉन्ची जरूरत पड़ने पर टीम में शामिल होने के लिए तैयार हैं। न्यूजीलैंड की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार की बात करें तो, प्रोटियाज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज फिन एलन (17 गेंदों में 31 रन, चार चौके और दो छक्के सहित) की तेज बल्लेबाजी के बावजूद, उन्होंने न्यूजीलैंड को 64/4 पर रोक दिया। मार्क चैपमैन (26 गेंदों में 48 रन, छह चौके और दो छक्के सहित) और डैरिल मिशेल (24 गेंदों में 32 रन, दो चौके और एक छक्का सहित) ने 74 रनों की साझेदारी की, जबकि जेम्स नीशम (15 गेंदों में 23ङ रन, तीन चौके सहित) ने तूफानी छोटी पारी खेलकर कीवी टीम को 175/7 के स्कोर तक पहुंचाया।

टी20 वर्ल्ड कप : जेसन होल्डर और शाई होप का कमाल वेस्टइंडीज ने नेपाल को रौंदकर सुपर 8 में मारी एंट्री

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जेसन होल्डर के चार विकेट और कप्तान शाई होप की 44 गेंदों पर 61 रनों की पारी की बदौलत वेस्ट इंडीज ने रविवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 25वें मैच में नेपाल को नौ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही कैरेबियन टीम सुपर एट में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। नेपाल आधिकारिक तौर पर सुपर एट की दौड़ से बाहर हो गया है। शाई होप की अगुवाई वाली वेस्ट इंडीज ने 134 रनों के मामूली लक्ष्य को महज 15.2 ओवरों में हासिल कर एशियाई टीम पर आसान जीत दर्ज की।

ब्रैंडन किंग (17 गेंदों पर 22 रन) और होप (44 गेंदों पर 61 रन नाबाद) ने पहले विकेट के लिए 43 रनों की साझेदारी की। इसके बाद शिमरोन हेटमायर (32 गेंदों पर 46 रन नाबाद) होप के साथ जुड़े और वेस्ट इंडीज को जीत की ओर ले गए। इससे पहले, टॉस जीतकर वेस्ट इंडीज ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और स्पिनर अकील हुसैन से गेंदबाजी की शुरुआत की। कुशल भुरटेल और आसिफ शेख ने नेपाल की ओर से पारी की शुरुआत की। नेपाल के लिए शुरुआत बेहद खराब रही क्योंकि मैच के पहले ही ओवर की पांचवीं गेंद पर हुसैन ने कुशल भुरटेल को एक रन पर आउट कर दिया। कप्तान रोहित पौडेल चौथे ओवर में मात्र पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए, जब मैथ्यू फोर्डे की गेंद पर पैड पर गेंद लगने से वे एलबीडब्ल्यू हो गए। पावरप्ले में ही नेपाल ने अपना तीसरा विकेट जेसन होल्डर के हाथों गंवा दिया। आसिफ शेख (11) ने शुरुआत में दो चौके लगाए। नेपाल पावरप्ले के अंत तक तीन महत्वपूर्ण विकेट खोकर 22 रन पर ढेर हो गया। पावरप्ले के बाद, शानदार फॉर्म में चल रहे गेंदबाज जेसन होल्डर ने आरिफ शेख को दो रन पर आउट कर दिया।

लोकेश बाम के 13 रन पर शमर जोसेफ द्वारा आउट होने के बाद, नेपाल का स्कोर 11वें ओवर में 46-5 था। छठे विकेट के लिए दीपेंद्र सिंह ऐरी और गुलसन झा के बीच 23 रनों की छोटी साझेदारी हुई, जिसके बाद गुलसन 11 रन बनाकर रोस्टन चेस के हाथों क्लीन बोल्ड हो गए। नेपाल की पारी में दीपेंद्र ही एकमात्र सकारात्मक खिलाड़ी रहे। उन्होंने सोमपाल कामी के साथ सातवें विकेट के लिए 54 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी में अहम भूमिका निभाई। यह साझेदारी तब समाप्त हुई जब दीपेंद्र 47 गेंदों में 58 रन बनाकर होल्डर की गेंद पर आउट हो गए। नेपाल ने अपनी पारी 133/8 के स्कोर पर समाप्त की।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप : भारतीय टीम की धमाकेदार जीत, पाकिस्तान को 8 विकेट से रौंदा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बैंकॉक के टर्डथाई क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए ग्रुप स्टेज मुकाबले में भारत ए ने पाकिस्तान ए को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। पहले गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 93 रन पर समेट दिया, फिर वृंदा दिनेश की नाबाद अर्धशतकीय पारी ने लक्ष्य को बेहद आसान बना दिया।

साइमा ठाकोर ने पहले ही ओवर में युसरा आमिर को आउट किया। चौथे ओवर में जिंतिमनी कालिता ने ओमाइमा सोहेल को पवेलियन भेजा। उसी ओवर में इमान नसीर रन आउट हो गईं। पांचवें ओवर में साइमा ने कप्तान हफ्सा खालिद को भी चलता किया। पावरप्ले के बाद पाकिस्तान ए का स्कोर 29/4 था। राधा यादव ने गेंदबाजी में कमाल दिखाते हुए हुरैना सज्जाद को एलबीडब्ल्यू किया और फिर शावाल जुल्फिकार (23 रन) को भी पवेलियन भेजा। गुल रुख ने 28 गेंदों में 21 रन बनाकर थोड़ी प्रतिरोध दिखाया, लेकिन प्रेमा रावत ने उनका विकेट झटक लिया। अंत में मिन्नू मणि ने मोमीना रियासत को स्टंप आउट किया और पाकिस्तान ए की पूरी टीम 18.5 ओवर में 93 रन पर सिमट गई।

लेकिन इसके बाद वृंदा दिनेश ने आक्रामक बल्लेबाजी शुरू कर दी। अनोशा नसीर के ओवर में तीन चौके जड़े। छठे ओवर में गुल पर चार चौके लगाए। 25 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। अनुष्का शर्मा (24 रन) के साथ 79 रन की साझेदारी ने मैच पूरी तरह भारत के पक्ष में कर दिया।

तेजल हसबनीस ने छक्का और चौका लगाकर 11वें ओवर की पहली गेंद पर जीत सुनिश्चित कर दी। भारत ने 59 गेंद शेष रहते मुकाबला जीत लिया। वृंदा 29 गेंदों में 55 रन बनाकर नाबाद रहीं, जिसमें 12 चौके शामिल थे।

आईएसएल की शानदार शुरुआत, मोहन बागान ने केरला ब्लास्टर्स को 2-0 से हराया

कोलकाता **(एजेंसी)**। गत चैंपियन मोहन बागान सुपर जायंट्स ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सत्र की दमदार शुरुआत करते हुए शनिवार को यहां केरला ब्लास्टर्स एफसी को 2-0 से मात दी। मोहन बागान के लिए पहला गोल 36वें मिनट में जैमी मैकलारेन ने दागा। मैच के अंतिम क्षणों में दूसरे हाफ के इंजरी टाइम (90ह6 मिनट) में टॉम एल्ड्रेड ने गोल कर जीत पक्की कर दी। मैकलारेन को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

इस बीच, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बड़ा ऐलान करते हुए पुष्टि की कि इस सत्र से आईएसएल में पहली बार रेलीगेशन प्रणाली लागू की गई है। अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रहने वाली टीम को दूसरे स्तर की इंडियन फुटबॉल लीग (आईएफएल) में भेजा जाएगा, जबकि आईएफएल की चैंपियन टीम को अगले सत्र में आईएसएल में पदोन्नत किया जाएगा। एआईएफएफ के अनुसार, 12वें आईएसएल सीजन की चैंपियन टीम को अगले सत्र में एएफसी चैंपियंस लीग-2 के प्रारंभिक दौर में प्रवेश मिलेगा। दूसरे स्तर की आई-लीग का नाम बदलकर अब इंडियन फुटबॉल लीग कर दिया गया है, जिसकी शुरुआत 21 फरवरी से होगी।

यूनियन बजट और यूएस-इंडिया डील का असर?

शेयर मार्केट में एफपीआई ने 15 दिन में झोंके 19, 675 करोड़

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी के पहले दो सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार में 19, 675 करोड़ रुपये डाले हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई का यह प्रवाह लगातार तीन माह की भारी बिकवाली के बाद हुआ है।

एफपीआई ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजार से 35, 962 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22, 611 करोड़ रुपये और नवंबर में 3, 765 करोड़ रुपये निकाले थे। कुल मिलाकर, 2025 में, एफपीआई ने भारतीय शेयरों से शुद्ध रूप से 1.66 लाख करोड़ रुपये (18.9 अरब डॉलर) की निकासी की है। यह एफपीआई के प्रवाह की दृष्टि से सबसे खराब वर्षों में रहा है।

आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने इस महीने (13 फरवरी तक) शेयरों में 19, 675 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रमुख प्रबंधक-शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि हाल की खरीदारी को वैश्विक वृहद चिंताओं में कमी, खासकर अमेरिका के नरम महंगाई आंकड़ों से समर्थन मिला है। इससे उन की भारत समेत उभरते बाजार में जोखिम लेने की क्षमता बेहतर हुई है। इसी तरह की राय जताते हुए एंजेल वन के वरिष्ठ बुनियादी विश्लेषक वकारजावेद खान ने कहा कि यह प्रवाह अमेरिका-भारत व्यापार करार, समर्थन देने वाले 2026-27 के आम बजट और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितताओं में कमी की वजह से देखने को मिला है।

एफपीआई फरवरी माह के 11 कारोबारी सत्रों में से सात में शुद्ध लिवाल रहे और चार सत्रों में बिकवाल रहे। इसके बावजूद आंकड़ों से पता चलता है कि एफपीआई ने इस महीने शुद्ध रूप से 1, 374 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। इसकी वजह यह है कि 13 फरवरी को निफ्टी में 336 अंक की गिरावट के दौरान एफपीआई ने 7, 395 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इस सप्ताह 'एंथ्रोपिक झटके' की वजह से आईटी शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिली।

वैभव सूर्यवंशी नहीं देंगे 10वीं बोर्ड की परीक्षा इस टूर्नामेंट में खेलते नजर आएंगे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी इस वर्ष अपनी कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में शामिल नहीं होंगे। अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद उनके लिए लगातार ट्रेनिंग कैंप, टूर्नामेंट और तैयारियों का व्यस्त कार्यक्रम तय है, जिसके चलते उन्होंने परीक्षा छोड़ने का निर्णय लिया है।

बिहार के ताजपुर निवासी वैभव मोडेस्टी स्कूल ताजपुर के छात्र हैं। उनकी बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से 11 मार्च तक निर्धारित थीं। स्कूल प्रशासन के अनुसार परीक्षा फॉर्म भरा जा चुका था और एडमिट कार्ड भी जारी कर दिया गया था। परीक्षा केंद्र के रूप में पोदार इंटरनेशनल स्कूल तय किया गया था। हालांकि, पिता संजीव सूर्यवंशी से चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया कि वैभव इस साल परीक्षा में शामिल नहीं होंगे और क्रिकेट पर पूरा ध्यान देंगे। वैभव सूर्यवंशी ने हाल ही में आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने सात मैचों में 439 रन बनाए और टूर्नामेंट के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उनका औसत 62.71 और स्ट्राइक रेट 169.49 रहा। इस दौरान उन्होंने एक शतक और तीन अर्धशतक लगाए, जबकि फाइनल में 175 रन की पारी खेलकर रिकॉर्ड कायम किया।

विशाल भारद्वाज की फिल्म में शाहिद कपूर का जलवा पत्नी मीरा और भाई ईशान ने की जमकर तारीफ

बॉलीवुड के पावरहाउस परफॉर्मर शाहिद कपूर की मच-अवेटेड फिल्म 'ओ रोमियो' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की ओर से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है, लेकिन शाहिद के लिए सबसे खास तारीफ उनके घर से आई है। उनकी पत्नी मीरा राजपूत और भाई ईशान खट्टर ने सोशल मीडिया पर फिल्म और शाहिद के अभिनय की जमकर सराहना की है।

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत और उनके भाई ईशान खट्टर ने 'ओ रोमियो' फिल्म में उनके अभिनय की एक सोशल मीडिया पोस्ट में तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें उन पर गर्व है। विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित यह फिल्म शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म में तृप्ति डिमरी भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म मुंबई के अंडरवर्ल्ड गैंगस्टर हुसैन उस्तरा और अफशा (डिमरी) के बीच रोमांटिक रिश्ते की कहानी पर आधारित है। राजपूत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कपूर के साथ एक तस्वीर साझा की और लिखा, "मेरा रोमियो, जब वह पूछते हैं 'मैं हूं कि हूं नहीं?', याद रखना, तुम हो। और वही हो।" उन्होंने पोस्ट में लिखा, "...आंखें जो हजारों शब्द बोलती हैं, और दिल जो हर बार खुद को संभाल लेता है।' राजपूत ने कहा, "क्योंकि जो आपको थामे रखता है वह है रोशनी...शानदार कहना कम पड़ेगा। मुझे आप पर बहुत गर्व है। 'ओ रोमियो' अब सिनेमाघरों में।'

खट्टर ने कपूर के साथ कई तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपलोड कीं। उन्होंने लिखा, 'भाई, मुझे तुम पर बहुत गर्व है। तुम आसमान की ऊंचाइयों और बेहतरीन भूमिकाओं के हकदार हो।' खट्टर ने लिखा, ' 'ओ रोमियो' अभी सिनेमाघरों में जाकर देखो, रॉक कॉन्सर्ट जैसा अनुभव मिलेगा। यह पूरी तरह से धमाकेदार फिल्म है।' यह फिल्म कपूर और भारद्वाज की चौथी फिल्म है। इससे पहले उन्होंने 'कमीने', 'हैदर' और 'रंगून' में साथ काम किया था। 'ओ रोमियो' में नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी और विक्रांत मेसी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

एआई की दुनिया में भारत का 'महाशक्ति' बनने का प्लान, वैश्विक शिखर सम्मेलन में जुटेंगे दुनिया के दिग्गज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर केंद्रित एक उच्च-स्तरीय वैश्विक शिखर सम्मेलन एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी करने जा रहा है। यह शिखर सम्मेलन विश्व नेताओं और उद्योग जगत के दिग्गजों को एक मंच पर लाएगा। एआई को बिजली के आविष्कार के बाद सबसे बड़े परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी के रूप में देखा जा रहा है।

यह शिखर सम्मेलन 16 से 20 फरवरी तक भव्य 'भारत मंडपम' में आयोजित होगा, जहां नीति-निर्माता, उद्योग जगत के दिग्गज और प्रौद्योगिकी नवोन्मेषक एकत्र होंगे। भारत के लिए यह वैश्विक शिखर सम्मेलन इस बात को रेखांकित करता है कि वह केवल भागीदार नहीं, बल्कि एआई युग के नियमों, मानकों और अवसरों को आकार देने वाला प्रमुख निर्माता बनना चाहता है।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव एस. कृष्णन ने पीटीआई- से कहा, 'हमारा मुख्य संदेश यह है कि एआई का विकास जन-केंद्रित और समावेशी होना चाहिए। एआई संसाधनों तक लोकतांत्रिक पहुंच होनी चाहिए और लोगों को इस प्रक्रिया के केंद्र में रखा जाना चाहिए।' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा सहित कई वैश्विक नेता सम्मेलन में भाग लेंगे।

45 से अधिक देशों के मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होंगे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी भी विचार-विमर्श में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी सम्मेलन को संबोधित करेंगे, एक्सपो का दौरा करेंगे और प्रमुख मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ संवाद करेंगे।

पूनम पांडे को फिर हुआ प्यार? एक्ट्रेस की लेटेस्ट पोस्ट के बाद लग रहीं डेटिंग की अटकलें

मुंबई। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की चर्चित एक्ट्रेस पूनम पांडे अपनी एक्टिंग से ज्यादा विवादों को लेकर चर्चा में रहती हैं। उनकी प्रोफेशनल लाइफ हो या उनकी निजी जिंदगी हमेशा आकर्षण का केंद्र बनी रहती है। पूनम पांडे की मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक लगातार चर्चा होती रहती है। उन्होंने वैलेंटाइन वीक में अपनी लेटेस्ट पोस्ट से लोगों का ध्यान खींचा है। इसके बाद पूनम पांडे के डेटिंग की अटकलें लगाई जा रही हैं। इस तरह से उनकी लव लाइफ को लेकर फिर से कयासबाजी होने लगी है। आइए जानते हैं कि पूनम पांडे ने सोशल मीडिया पर क्या पोस्ट शेयर किया है।

पूनम पांडे ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने कुछ तस्वीरें शेयर की है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि वह किसी शख्स के साथ अलग-अलग

तरह से पोज देते नजर आ रहे हैं। पूनम पांडे के साथ नजर आ रहे हैं शख्स का चेहरा किसी भी तस्वीर में नहीं दिखाई दे रहा है। उन्होंने इस पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, 'ये मेरा पसंदीदा स्पेस है।' पूनम पांडे की इस सोशल मीडिया पोस्ट के बाद उनके लव लाइफ चर्चा में आ गई है। लोगों का कहना है कि एक्ट्रेस को फिर से प्यार हो गया है। वहीं, सोशल मीडिया के तमाम यूजर्स कह रहे हैं कि ये उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर पोस्ट है। हालांकि, पूनम पांडे की तरफ से अपने रिश्ते को लेकर कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आया है।

बताते चलें कि पूनम पांडे ने साल 2020 में कोविड-19 के दौरान अपने बॉयफ्रेंड सैम बॉम्बे के साथ शादी की थी। इस शादी में उनके परिवार के लोग और कुछ करीबी शामि हुए थे। हालांकि, उनकी ये शादी कुछ ही दिनों में टूट गई थी। पूनम पांडे ने सैम बॉम्बे पर मारपीट का आरोप लगाया था। सैम बॉम्बे को जेल भी जाना पड़ा था और पूनम पांडे ने उनसे तलाक ले लिया था। पूनम पांडे ने सैम बॉम्बे को लेकर कहा ता कि वह उनको इतना ज्यादा मारता था कि उनको ब्रेन हैमरेज हो गया था। वहीं, पूनम पांडे की शादी और तलाक पर लोगों का कहना था कि वह सब पब्लिसिटी के लिए करती हैं।

क्या विजय वर्मा का वैलेंटाइन डे पोस्ट था प्रैंक या 'सॉफ्ट लॉन्च'? मिस्ट्री गर्ल की सच्चाई ने बढ़ाया सस्पेंस

मुंबई। वैलेंटाइन डे के मौके पर बॉलीवुड अभिनेता विजय वर्मा ने सोशल मीडिया पर ऐसा पोस्ट किया, जिसने फैंस को पूरी तरह उलझा दिया। एक मिस्ट्री गर्ल के साथ रोमांटिक फोटो साझा कर उन्होंने न सिर्फ अपनी लव लाइफ को लेकर अटकलें तेज कर दीं, बल्कि बाद में सामने आई सच्चाई ने इसे एक बड़ा प्रैंक साबित कर दिया।

विजय वर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर की, जिसमें वह एक लड़की का हाथ थामे नजर आ रहे थे। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा– 'हैप्पी वैलेंटाइन डे टू माय फॉरएवर' और साथ ही 'खुशी आहूजा' नाम के एक अकाउंट को टैग कर दिया। पोस्ट देखते ही सोशल मीडिया पर हलचल मच गई और फैंस उनकी कथित नई गर्लफ्रेंड को लेकर कयास लगाने लगे।

जैसा कि विजय ने शायद सोचा था, हजारों लोग टैग किए गए अकाउंट की प्रोफाइल देखने पहुंच गए। लेकिन प्रोफाइल खोलते ही यूजर्स चौंक गए। वहां तस्वीरों पर साफ लिखा था– 'चूङ बनाया तुमको! यहीं से साफ हो गया कि यह पूरी तरह से एक मजाक था। इस वायरल प्रैंक ने साबित कर दिया कि गंभीर भूमिकाओं के लिए पहचाने जाने वाले विजय वर्मा असल जिंदगी में काफी ह्यूमर पसंद इंसान हैं।

पश्चिम रेलवे

जल स्तर सूचक की व्यवस्था

पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल मंडल के वरिष्ठ सीडीओ-आईसीडी-बीडीटीएस द्वारा निविदा संख्या: BDTS-PIg-WLIOWT-RSP_ 25-26, दिनांक 12.02.2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** मुंबई सेंट्रल मंडल के ओवरहेड टैंक युक्त कोचों के लिए जल स्तर सूचक (वॉटर लेवल इंडिकेटर) की व्यवस्था। **कार्य की अनुमानित लागत :** 2,72,24,656.16/- (सभी कर सहित) **ईएमडी :** 2,86,200/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :** 13.03.2026 को 15.00 बजे। अधिक विवरण के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ।

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly 1121

पश्चिम रेलवे

नए आरओबी (रेलवे ओवरब्रिज) का निर्माण

पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल के वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (सिग्नल)/एमएमसीटी द्वारा निविदा सूचना संख्या W_420_2_297_SG_WA, दिनांक 13/02/2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे के अंतर्गत प्रभादेवी स्टेशन (एल्फिन्स्टन रोड-कैरोल ब्रिज) पर एमआरआईडीसीएल द्वारा किलोमीटर 8-9 के बीच प्रस्तावित नए रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के निर्माण के संबंध में सिग्नलिंग कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत :** 51,40,896.63/-**ईएमडी :** 1,02,800/- **ई-निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :** 09.03.2026 को 15.00 बजे तक। **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 09.03.2026 को 15.30 बजे। अधिक विवरण के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.inपर जाएँ। 1122

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

समग्र निवारक अनुरक्षण अनुबंध

पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल-08 के वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कोचिंग) द्वारा निविदा सूचना संख्या डब्ल्यूआर-एमएमसीटीओईसीओए (ईसीटीडी)/21/2024 0/0 एसआरडीईई/सीएचजी/एमएमसीटी/डब्ल्यू (कंप्यूटर संख्या 545238), दिनांक 11/02/2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** रेलवे एसजीएसी कोचों में लगाए गए एम/एस ऑटोमीटर निर्मित 25 केवीए इन्वर्टरों के लिए तीन वर्षों हेतु समग्र निवारक अनुरक्षण अनुबंध। **कार्य की अनुमानित लागत :** 3,25,09,080/- **बिड सुरक्षा :** 3,12,600/- **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय :** 10.03.2026 को 15.00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 10.03.2026 को 15.30 बजे अधिक विवरण के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। 1119

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

दिल्ली पुलिस का बड़ा एक्शन कौशल चौधरी गैंग का शूटर गिरफ्तार

बुराड़ी में कारोबारी की हत्या की साजिश नाकाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में संगठित अपराध पर बड़ी कार्रवाई करते हुए, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 22 वर्षीय कुलदीप सिंह को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर कौशल चौधरी गिरोह का मुख्य शूटर है। वह बुराड़ी के एक व्यापारी की हत्या करके गिरोह का वर्चस्व स्थापित करने और अपने जबरन वसूली नेटवर्क का विस्तार करने की योजना बना रहा था। विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, एंटी-गैंगस्टर स्क्वाड (एजीएस) की एक टीम ने द्वारका के सेक्टर-17 के पास जाल बिछाया और आरोपी को उस समय रोका जब वह चोरी की स्कूटी पर सवार था। पुलिस ने बताया कि उसने भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने उसे तुरंत काबू कर लिया।

तलाशी के दौरान, अधिकारियों ने एक पीएक्स-30 स्वचालित पिस्तौल (7.62 मिमी), एक अत्याधुनिक 7.65 मिमी पिस्तौल (भरी हुई अवस्था में) और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए। अपराध शाखा पुलिस स्टेशन में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांचकर्ताओं ने खुलासा किया कि आरोपी कथित तौर पर पवन शोकीन और गुरदीप उर्फ पा जी सहित विदेश स्थित गिरोह संचालकों के इशारे पर काम कर रहा था, जिन्होंने उसे सुनियोजित हत्या को अंजाम देने का काम सौंपा था। यह कदम कथित तौर पर प्रतिद्वंद्वी गिरोहों को कड़ा संदेश देने और दिल्ली और आसपास के राज्यों में संगठित जबरन वसूली रैकेट को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया था।

कुलदीप सिंह इससे पहले 2024 में पंजाब में हुए 5 करोड़ रुपये की जबरन वसूली और गोलीबारी के सनसनीखेज मामले में शामिल था और अगस्त 2025 में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उसने लक्षित व्यक्ति की रेकी की थी और एन्क्रिप्टेड संचार प्लेटफॉर्म के माध्यम से पंजाब और उत्तर प्रदेश में गिरोह के सदस्यों के संपर्क में था।

आरोपी द्वारा इस्तेमाल की गई स्कूटी उत्तर प्रदेश के मुराद नगर से चोरी हुई पाई गई। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हाल ही में संगठित अपराध, जबरन वसूली के प्रयासों और सशस्त्र हमलों में हुई वृद्धि के बीच इस गिरफ्तारी को एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में देखा जा रहा है। व्यापक नेटवर्क का पता लगाने और विदेश से सक्रिय अन्य गिरोह सदस्यों को गिरफ्तार करने के लिए आगे की जांच जारी है।

'सबसे ज्यादा छापे पड़े, फिर भी कुछ नहीं मिला'; मनी लॉन्ड्रिंग मामले पर बोले कार्ति चिदंबरम

नई दिल्ली। नई दिल्ली में चल रहे बहुचर्चित जांच मामलों के बीच कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने अपने खिलाफ दर्ज मामलों और छापों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उन पर सबसे ज्यादा छापे डाले गए, लेकिन जांच एजेंसियों को अब तक कुछ भी ठोस नहीं मिला। उन्होंने अपने खिलाफ चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग और वीजा से जुड़े मामलों को बेबुनियाद और अतिरंजित बताया।

जांच मामलों पर दिया खुला जवाब

एक इंटरव्यू में कार्ति चिदंबरम ने कहा कि उनके खिलाफ चीनी वीजा और INX मीडिया मामले जैसे केस बनाए गए, लेकिन इनमें तथ्य कमजोर हैं। उन्होंने कहा कि चीनी वीजा केस में जिस व्यक्ति का नाम लिया जा रहा है, वह अब जीवित नहीं है और उससे कभी पूछताछ भी नहीं हुई। उन्होंने दावा किया कि केस में किसी सरकारी अधिकारी का नाम तक साफ तौर पर नहीं जोड़ा गया, जबकि वीजा जारी करने का अधिकार सरकार के पास होता है।

कार्ति चिदंबरम ने बताया कि उन्होंने सीबीआई केस में आरोप तय किए जाने को अदालत में चुनौती दी है। उनका कहना है कि भ्रष्टाचार निवारण कानून की जिन धाराओं के तहत केस बनाया गया, उनके जरूरी तत्व ही मौजूद नहीं हैं। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड में कहीं भी अवैध लाभ मांगने या लेने का प्रमाण नहीं है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनके विदेशी बैंक

खाते और विदेश में संपत्तियां हैं, लेकिन कहा कि यह सब घोषित है और आरोप पत्र पढ़ने पर केस की कमजोरी साफ दिखती है।

सरकार वीजा दे और दोष मुझ पर- कार्ति चिदंबरम

कांग्रेस सांसद ने कहा कि अगर किसी को वीजा मिला तो वह सरकारी प्रक्रिया से मिला। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर उनकी सिफारिश मानना गलत था, तो फैसला लेने वाले अधिकारी पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई। उन्होंने कहा कि केस में कई दूसरे लोगों से पूछताछ तक नहीं की गई। उनके मुताबिक, बिना पूरे तथ्यों के सिर्फ उनका नाम उछाला गया। उन्होंने कहा कि उन्हें खुद समझ नहीं आता कि इस कथित घोटाले में उनकी भूमिका बताई क्या जा रही है।

एफआईआर और छापों पर कही ये बात

कार्ति चिदंबरम ने आइएनएक्स मीडिया केस का जिक्र करते हुए कहा कि जमानत आदेश में भी लिखा है कि उन्होंने किसी सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने का कोई सबूत नहीं मिला। उन्होंने कहा कि भारत में एफआईआर दर्ज करना सबसे आसान काम है और छोटी रकम के मामलों में भी बड़े पैमाने पर कानूनी खर्च किया जा रहा है। उनका आरोप है कि सरकार इन मामलों का इस्तेमाल ताकत का संदेश देने के लिए कर रही है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव का हवाला देते हुए कहा कि भारत में मुकदमे बहुत लंबा चलते हैं और जल्दी खत्म नहीं होते।

बाबुलनाथ मंदिर विवाद पर 'सुप्रीम' फैसला, साधु को खाली करना होगा कब्जा; पर मिली चार साल की मोहलत

नई दिल्ली। मुंबई के सदियों पुराने बाबुलनाथ मंदिर परिसर से जुड़े कब्जे के विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने 75 साल के एक साधु को मंदिर की सीढ़ियों के पास घिरे हिस्से को खाली करने का आदेश दिया है। हालांकि उनकी उम्र और धार्मिक जीवन को देखते हुए कोर्ट ने उन्हें जगह खाली करने के लिए चार साल का समय दिया है। शीर्ष अदालत ने बॉम्बे हाईकोर्ट के पहले दिए गए आदेश को भी बरकरार रखा है।

यह विवाद मंदिर की मुख्य सीढ़ियों के लैंडिंग एरिया के एक छोटे हिस्से को लेकर था, जहां साधु पक्ष लंबे समय से रह रहा था। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि निचली अदालत और हाईकोर्ट दोनों ने तथ्यों और कानून के आधार पर सही फैसला दिया था, इसलिए उसमें दखल देने की जरूरत नहीं है। साधु जगन्नाथ गिरी ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दी।

चार साल की राहत, उम्र और धार्मिक जीवन का रखा ध्यान

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आमतौर पर इतनी लंबी मोहलत नहीं दी जाती, लेकिन इस मामले में साधु की उम्र 75 साल है और वह धार्मिक व आध्यात्मिक जीवन जी रहे हैं। इस कारण उन्हें वैकल्पिक ठिकाना खोजने के लिए चार साल का समय दिया जा रहा है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जब तक वह वहां रहें, शांति बनाए रखें और मंदिर के विकास कार्य में कोई रुकावट न डालें। साथ ही मंदिर ट्रस्ट को निर्देश दिया गया कि उस जगह पर कोई तीसरा व्यक्ति कब्जा न करे और साधु को परेशान न किया जाए।

मामले का पूरा कानूनी इतिहास

रिकॉर्ड के अनुसार यह हिस्सा 1927 में बाबा रामगिरि महाराज को दिया गया था। उनके निधन के बाद उनके शिष्य बाबा ब्रह्मानंदजी महाराज वहां रहने लगे। 1996 में मंदिर ट्रस्ट ने बेदखली के लिए मुंबई की स्मॉल कॉज कोर्ट में केस किया और कोर्ट ने ट्रस्ट के पक्ष में फैसला दिया। 2001 में अपील भी खारिज हो गई। बाद में मामला हाईकोर्ट पहुंचा, जहां नवंबर 2025 में याचिका खारिज कर दी गई। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में अपील हुई, जिसे अब अंतिम रूप से खारिज करते हुए चार साल में जगह खाली करने का आदेश दिया गया है।

मुस्लिम होकर भगवान भोलेनाथ की भक्त है अफगानिस्तान की ये मॉडल, जल्द बनेगी इंडिया की बनेगी बहूरानी?

सोशल मीडिया पर कब कौन फेमस हो जाए, ये बात कोई नहीं जानता है। सोशल मीडिया ने रातों रात बहुत से लोगों को सुपरस्टार बना दिया। इस समय भी सोशल मीडिया एक हसीना पर मेहरबान हो गया है।सोशल मीडिया पर इन दिनों एक अफगानिस्तान की मॉडल लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच रही है। आपको जानकर हैरानी होगी कि जल्द ही अफगानिस्तान की मॉडल इंडिया में शादी करने वाली है। यहां हम बात कर रहे हैं स्प्रिट्सविला एक्स6 (एमटीवी स्प्लिट्सविला 16) में नजर आ रही मॉडल सदफ शंकर की, जो कि इस समय छाई हुई हैं। सदफ शंकर अफगानिस्तान की रहने वाली हैं और मुस्लिम हैं। बावजूद इसके सदफ शंकर अक्सर बोल्ड लुक्स में नजर आती हैं। सदफ शंकर बीते 10 सालों से इंडिया में रह रही हैं। अब सदफ

शंकर ने इंडिया को अपना ही देश मानना शुरू कर दिया है। हाल ही में करण कुंद्रा से बात करते हुए सदफ शंकर ने दावा किया था कि वो शो में अपने लिए प्यार की तलाश में आई हैं। सदफ शंकर ने साफ कर दिया है कि आगे चलकर वो इंडिया में ही किसी के साथ शादी करने वाली हैं। सदफ शंकर के इस बयान ने लोगों का दिल जीत लिया है। आपको जानकर हैरानी होगी कि मुस्लिम होकर भी खुद को सदफ शंकर की भक्त बताती हैं। स्प्रिट्सविला मे बात करते हुए सदफ शंकर ने बताया था कि उनको शिव में कितनी श्रद्धा है। सदफ शंकर ने बताया है कि वो खाली समय में पूजा-पाठ भी करना पसंद करती हैं। यही वजह है जो सदफ शंकर अपने सरनेम की जगह शिव के नाम का इस्तेमाल करते हैं, सदफ शंकर भगवान के नाम से अपनी जिंदगी की गाड़ी चला रही हैं। ये बात बताते हुए सदफ शंकर बहुत खुश नजर आ रही थी। इस तरह के बयान देने की वजह से ही सदफ शंकर इंडिया में लाइमलाइट बटोर रही हैं। फैंस को लगता है कि सदफ शंकर एक अच्छी बहू साबित होंगी।

कुछ समय पहले ही सदफ शंकर ने सोशल मीडिया पर व्हाइट कलर की बिकिनी में पोज दिए थे। इन तस्वीरों की वजह से लग सदफ शंकर के बारे में ही बात कर रहे हैं। फैंस का कहना है कि सदफ शंकर ने खुद को अच्छे से मेनटेन करके रखा है। फैंस का कहना है कि सदफ शंकर को एक बार तो बॉलीवुड में ट्राइ करना चाहिए। सदफ शंकर की हिंदी भी अच्छी है।

भारत ने चुपके से अर्मेनिया को दे दिया ऐसा खूंखार हथियार, अजरबैजान ने खड़ा किया बड़ा हंगामा!

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान का करीबी दोस्त अज़रान इन दिनों भारत पर आरोप लगाए फिर रहा है। आरोप ऐसा कि भारत ने उसके दुश्मन देश आर्मेनिया को इजराइल की घातक तकनीक सौंप दी। दरअसल यह पूरा मामला है किलर ड्रोन का जब हाल ही में आर्मेनिया की कंपनी दवारो ने ड्रैगन फ्लाई 3 नाम का लॉटरींग म्यनिशन पेश किया जिसके पेश होने के बाद से असली घमासान शुरू हो गया है और अजरबैजान ने यह दावा किया है कि यह ड्रोन दिखने और क्षमता में बिल्कुल इजराइली हेरोप ड्रोन जैसा है और इसकी टेक्नोलॉजी भारत के जरिए अर्मेनिया तक पहुंची है। अज़र बाइजान ने जिस इजरायली है ड्रोन की तकनीक इस ड्रैगन फ्लाई थ्री ड्रोन में होने की बात कही है, वह इजराइल का एक घातक ड्रोन है जिसे इजराइल एयररोस्पेस इंडस्ट्रीज ने विकसित किया है और यह कोई साधारण ड्रोन नहीं बल्कि ड्रोन और मिसाइल का खतरनाक कॉम्बिनेशन है। यह ड्रोन करीब 9 घंटे तक हवा में मंडराते रहने की क्षमता रखता है और इस दौरान यह टारगेट की तलाश करता है और सही वक्त आने पर सीधे उससे टकराकर खुद को उड़ा देता है। करीब 23 किमी विस्फोटक के साथ और 1000 किमी से ज्यादा रेंज इसे बना देती है एक घातक साइलेंट शिकारी। अर्मेनिया के पास ऐसी ही सेम तकनीक वाली ड्रोन होने का दावा कर रहा है तो यह दावा उसके डर को दिखाता है। दरअसल साल 2020 के नारगोन काराबाक युद्ध में अज़रबजान ने इजराइल की मदद से लिए गए इन्हीं हेरोप ड्रोंस का इस्तेमाल आर्मेनिया के खिलाफ किया था। सलिए अगर अब आर्मेनिया के पास भी हैरोप जैसी ही क्षमता आती है तो अज़रान की बढ़ती हुई बेचैनी को साफ-साफ समझा जा सकता है। हालांकि अज़र भाईजान के इन दावों की कहीं भी पुष्टि नहीं हुई है और इस दावे पर भारत की तरफ से कोई भी आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

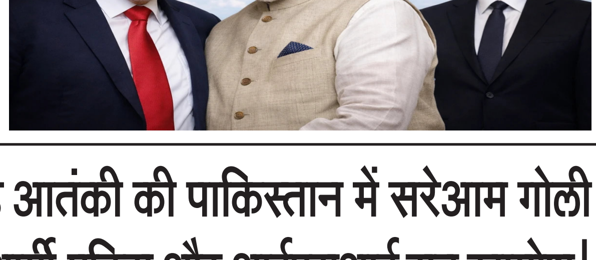

आर्मेनिया भारत के रक्षा उत्पादों का एक बड़ा ग्राहक है। जिसे भारत ने पिनाका से लेकर आकाश जैसी मिसाइल और स्वाति वेपन लोकेटिंग रडदार जैसे उपकरण दे रखे हैं। जो कि भारत और आर्मेनिया के बीच के अच्छे रिश्तों को दिखाता है। इसी बीच आपको यह भी बता दें कि इजराइल और अज़र भाईजान के रिश्ते मजबूत होते दिख रहे हैं। हाल ही में दोनों देशों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एक एमओयू साइन किया है और दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच हुई मुलाकात में यह बात सामने आई। इजराइल एरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने साफ किया है कि वह सभी अंतरराष्ट्रीय सौदों में कानून और रक्षा मंत्रालय के निर्देशों का पालन करती है।

ईरान पर भयंकर भड़के ट्रंप, अमेरिका ने उतारा दुनिया का सबसे बड़ा युद्धपोत

तेहरान (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका में जंग की आहट सुनाई देने लगी है। ईरान के पास अरब सागर में अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन पहले से ही तैनात हो चुका है और अब अमेरिका ने एक और विमान वाहक पोत ईरान के लिए रवाना कर दिया है। दो अमेरिकी अधिकारियों ने न्यूज़ एजेंसी रटर्स को बताया कि दुनिया का सबसे बड़ा विमान वाहक पोत यूएसएस गेराल्लड आर फोर्ड मिडिल ईस्ट के लिए रवाना हो चुका है। जिसमें हजारों सैनिक, लड़ाकू विमान, गाइडेड मिसाइल सहित कई हथियार भेजे गए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने रट्टर्स को बताया कि अमेरिकी सेना ईरान के खिलाफ हफ्तों तक चलने वाले संभावित सैन्य अभियान की तेजी से तैयारी कर रही है और अगर राष्ट्रपति ट्रंप हमले का आदेश देते हैं तो यह संघर्ष दोनों देशों के बीच पहले से देखे गए संघर्षों

से कहीं अधिक गंभीर हो सकता है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ समझौता करना मुश्किल हो रहा है।

ऐसे में ईरान में सत्ता परिवर्तन के विचार का समर्थन करना ही अच्छा है। सीप 47 देन गोप्स इन दस पावर हैज़ अराइव एंड एडिशनल पावर अनदर गोइंग आउट शली सो वी विल सी इट हाउ अमेरिका अपना सबसे बड़ा युद्धपोत ईरान की ओर ऐसे समय पर रवाना कर चुका है जब हाल ही में व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन ने नतन्या से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में ईरान और अमेरिका के बीच ओमान की राजधानी मस्कट में हुई बातचीत पर चर्चा हुई थी। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मुलाकात में ईरान पर संभावित हमले पर भी बात हुई थी। कहा जा रहा है कि अमेरिका अगर ईरान पर हमला करता है तो इजराइल भी उसमें शामिल हो सकता है।

बता दें कि अमेरिका ईरान से परमाणु कार्यक्रम को छोड़ने और मिसाइल कार्यक्रम को सीमित करने की मांग कर रहा है। जबकि ईरान इसके लिए तैयार नहीं है। ईरान का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए है। जबकि अमेरिका ईरान पर परमाणु बम बनाने का आरोप लगाता रहा है। इस मुद्दे को लेकर मस्कट में हुई बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने आगे की बातचीत जारी रखने की बात कही थी। लेकिन अब अमेरिका की ओर से एक और युद्धपोत ईरान की ओर रवाना करने से हालात बदल गए हैं।

भारत में मोस्ट वांटेड आतंकी की पाकिस्तान में सरेआम गोली मारकर हत्या, पाक आर्मी-पुलिस और आईएसआई सब खामोश!

पेशावर (एजेंसी)। भारत के सबसे वांछित आतंकियों में शामिल मोहम्मद कासिम गुज्जर उर्फ सलमान उर्फ सुलेमान की पाकिस्तान में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुक्रवार शाम पेशावर में अज्ञात बंदूकधारियों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। भारत के पूर्व रॉ एजेंट और एनएसजी कमांडो लक्ष्मण उर्फ़ लकी बिष्ट ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें देखा जा सकता है कि मोटरसाइकिल सवार ने किस तरह सरेआम सड़क पर गुज्जर को निशाना बनाया।

मोहम्मद कासिम गुज्जर का नाम लंबे समय से भारत की सुरक्षा एजेंसियों की हिट लिस्ट में था। वह प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ था और भारत में कई आतंकी साजिशों का हिस्सा रहा था। करीब दो साल पहले गृह मंत्रालय ने उसे व्यक्तिगत आतंकवादी घोषित किया था।इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अब तक पाकिस्तान की पाकिस्तान पुलिस, पाकिस्तानी सेना या खुफिया एजेंसी घ्एघ की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। न हमले की पुष्टि, न जांच की जानकारी पूरी व्यवस्था की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है।

हालांकि भारत सरकार की ओर से इस घटना पर अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि पाकिस्तान लंबे समय तक जिन आतंकियों को संरक्षण देता रहा, वही अब उसके लिए बोझ बनते जा रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यह हत्या पाकिस्तान में सक्रिय आतंकियों के बीच आपसी संघर्ष, अंदरूनी सफाया या अंतरराष्ट्रीय दबाव का नतीजा भी हो सकती है। इससे पहले भी कई भारत-विरोधी आतंकवादी पाकिस्तान की सरजमीं पर संदिग्ध हालात में मारे जा चुके हैं, जिन पर कभी स्पष्ट जांच सामने नहीं आई।

नेपाल-भारत में एक साथ गूंजा 'हर हर महादेव'

महाशिवरात्रि पर पशुपतिनाथ में उमड़ा आस्था का सैलाब, तीन ख्ब्लंबी लगी कतारें

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल की राजधानी काठमांडू में स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर हजारों हिंदू श्रद्धालु श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ पहुंचे। फल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को मनाया जाने वाला यह पर्व शिवभक्ति के सबसे पावन दिनों में गिना जाता है। शिव पुराण के अनुसार, यह वही रात्रि है जब शिव तत्व का प्रकटीकरण हुआ। इसे कालरात्रि, मोहरात्रि, सुखरात्रि और शिवरात्रि इन चार महत्त्वपूर्ण रात्रियों में शामिल किया गया है। मान्यता है कि यह दिन आध्यात्मिक जागरण देता है और दुख-संताप से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करता है। श्रद्धालु उत्सव कटुवाल ने बताया कि गौशाला से पशुपति तक दो-तीन किलोमीटर लंबी कतारें लगी थीं और लोग घंटों धैर्यपूर्वक दर्शन के लिए खड़े रहे। सुबह से ही नदी-तालाबों और मंदिरों में स्नान, पूजा, ध्यान और मंत्रोच्चार का सिलसिला जारी रहा।भक्त शांति भक्त ने कहा कि शिवरात्रि पर पूरा दिन पूजा, ध्यान और जप में बिताया जाता है। वहीं, अनीता सिंह ने बताया कि मंदिर में अनुष्ठान के बाद वे घर जाकर पूजा और उपवास रखेंगी।महाशिवरात्रि, 'शिव की रात्रि', नेपाल और भारत सहित कई देशों में व्यापक श्रद्धा से मनाई जाती है। स्कंद पुराण में भी इस पर्व के महत्व का उल्लेख है। मान्यता है कि इस अवधि में उत्तरी गोलार्ध में तारों की स्थिति आध्यात्मिक ऊर्जा को उन्नत करती है और शिव तत्व सर्वाधिक सक्रिय रहता है।

बांग्लादेश की नई सरकार के दोहरे तेवर, कहा-भारत संग चाहते नई शुरुआत, शेख हसीना पर दी चेतावनी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग के सत्ता से हटने के बाद भारत के साथ संबंधों को नए सिरे से स्थापित करने की इच्छा जताई है। तारिक रहमान के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि दोनों देशों को 'पारस्परिक लाभ' के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हालिया संसदीय चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को मिले प्रचंड जनादेश के बाद बदली हुई राजनीतिक वास्तविकता को स्वीकार करना अब भारत की जिम्मेदारी है।

कबीर ने कहा, 'शेख हसीना और अवामी लीग आज के बांग्लादेश में मौजूद नहीं हैं। जनता ने स्पष्ट फैसला बीएनपी के पक्ष में दिया है। बदलाव भारत की सोच में आना चाहिए।' उन्होंने अगस्त 2024 के जनविद्रोह के बाद भारत चली गईं हसीना को 'आतंकवादी' करार देते हुए उन पर 1, 500 से अधिक लोगों की मौत का आरोप लगाया और भारत से आग्रह किया कि वह बांग्लादेश की स्थिरता के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल न होने दे। उन्होंने कहा, 'भारत ऐसा कोई कदम न उठाए जिससे बांग्लादेश की संप्रभुता कमजोर हो। एक बार यह मुद्दा सुलझ जाए, तो सामान्य राजनयिक सहयोग फिर से शुरू हो सकता है।'

गौरतलब है कि भारत ने 26 नवंबर 2025 को कहा था कि वह हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के अनुरोध पर विचार कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि भारत शांति, लोकतंत्र और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है। कबीर ने नरेन्द्र मोदी और तारिक रहमान के बीच हुई फोन बातचीत का भी उल्लेख किया, जिसमें मोदी ने रहमान को भारत आने का निमंत्रण दिया था। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल घरेलू प्राथमिकताएं पहले हैं।

दक्षिण एशिया में भारत, चीन और अमेरिका के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा पर कबीर ने कहा कि नई सरकार संतुलन की नीति अपनाएगी और राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखेगी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)